आज का सुविचार
ज्ञान में पूंजी लगाने से सर्वाधिक ब्याज मिलता है। - बेंजामिन फ्रेंकलिन

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज़

आईटीडीसी इंडिया प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-77 भोपाल, शुक्रवार 28, जनवरी 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

शासकीय कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए बैठक में शामिल हुए डॉ. मिश्रा

सबका साथ, सबका विकास के साथ काम कर रही है सरकारः गृहमंत्री

भोपाल। प्रदेश के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आज भोपाल में प्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष आशुतोष तिवारी जी को बधाई दी। वे प्रदेश के शासकीय सेवकों को उनके सेवाकाल में पात्रतानुसार पदोन्नति के अवसर देने हेतु गठित मंत्री समूह की बैठक में शामिल हुए। बैठक में वीसी के माध्यम से जलसंसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट जी,स्कूल शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार जी सहित संबंधित विभाग के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास की सोच के साथ आगे बढ़ रहे है। सभी के सुझाव के साथ प्रदेश का सर्वांगीण विकास हो इसके लिए बजट को लेकर विधायक दल की बैठक की ?जाएगी।

गणतंत्र दिवस पर कश्मीर के लाल चौक पर तिरंगा फहराया जाना ही देश के अच्छे दिन हैं। मोदी जी के नेतृत्व में एक देश मे दो विधान,दो निशान,दो प्रधान नहीं चलेंगे की बात धरातल पर सच हुई है।

आंध्रप्रदेश के गुंटूर में जिन्ना टावर की घटना पर राज्य सरकार को संज्ञान लेना चाहिए। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कमलनाथ जी दिल्ली में ही रहते है इसलिए उनका दिल्ली दौरे पर जाना कोई खबर नहीं है, उनका मध्यप्रदेश आना ही खबर है। वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद को पद्म विभूषण मिलते ही दिग्विजय सिंह जी को मुसलमान खलनायक नजर आने लगे और वो अलगाववादी बातें करने लगे है। आजादी से अब तक कांग्रेस षड्यंत्र कर मुसलमानों को अलग-थलग करने की नीति पर चलती रही है,जबकि भाजपा सरकार मुस्लिमों को मुख्यधारा में ला रही है। एक्ट्रेस श्वेता तिवारी का भोपाल में दिया गया बयान निंदनीय है। भोपाल पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर को 24 घंटे में तथ्यों और संदर्भ की जांचकर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है, जिसके आधार पर निर्णय लिया जाएगा। प्रदेश में स्कूलों खोलने को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समीक्षा कर निर्णय लेंगे। फिलहाल 31 जनवरी तक स्कूल बंद है।

पुराने वादों से ध्यान भटकाने नए वादे लेकर आ गयी कांग्रेसः विष्णुदेव साय

रायपुर। गणतंत्र दिवस पर मुख्यमंत्री द्वारा किये ऐलानों पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु देव साय ने कहा कि कांग्रेस केवल घोषणा करने वाली पार्टी बन गई है। वह घोषणा के आगे कुछ नहीं करती। श्री साय ने कहा कि कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणा पत्र के प्रमुख 36 वादों में 26 वादों पर 3 वर्ष में काम ही शुरू नहीं किया। ऐसे में नई घोषणा जनता के साथ केवल छलावा ही है। कर्मचारियों की कई दिनों से मांग है कि राज्य सरकार उनके महंगाई भत्ते को बढ़ाये और् केंद्र सरकार के बराबर का भत्ता दे लेकिन मुख्यमंत्री ने इसकी घोषणा नहीं की। श्री साय ने कहा कि प्रदेश में 3 वर्ष में हर वर्ग ने आंदोलन किया है लेकिन उनकी मांगों पर कोई ऐलान नही हुआ। अनियमित कर्मचारियों, पुलिस बल, सहायक शिक्षकों की मांग व किसानों की मांगों पर भी कोई घोषणा नहीं हुई।

श्री साय ने कहा कि छतीसगढ़ के 8 लाख परिवारों से मकान छीनने वाले, युवाओं का 9 हज़ार करोड़ का भत्ता न देने वाले, महिलाओं की सुरक्षा कर पाने में नाकाम रही सरकार ने फिर से प्रदेश को निराश किया है। अच्छा होता कि मुख्यमंत्री अपने भाषण से ऐलान करते कि उनके विधायक व मंत्री अब कर्मचारियों को गंदी गंदी गालियां नहीं देंगे, उन्हें अपना नौकर समझकर प्रताड़ित नहीं करेंगे।

ब्लिंकन ने रूस से कहा- यूक्रेन संकट से निपटने को तैयार अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रूस से कहा कि उनका देश यूक्रेन संकट से निपटने के लिए तैयार है। रूस में अमेरिका के राजदूत जॉन सुलिवन के मॉस्को में रूस की सरकार को कुछ दस्तावेज सौंपने के तुरंत बाद विदेश मंत्रालय के फोगी बॉटम मुख्यालय में ब्लिंकन ने पत्रकारों से कहा कि सब बता दिया गया है, इससे एक गंभीर कूटनीतिक रास्ता खुलता है। रूस को इसे चुनना चाहिए। विदेश मंत्री ने कहा कि हमारे द्वारा दिए गए दस्तावेजों में अमेरिका, हमारे सहयोगियों तथा भागीदारों की रूस के उन कदमों को लेकर चिंताएं शामिल हैं, जिनसे सुरक्षा कमजोर होती है। इनमें रूस द्वारा उठाई गई चिंताओं का एक सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक मूल्यांकन और उन क्षेत्रों के लिए हमारे अपने प्रस्ताव जहां हम साझा आधार खोजने में सक्षम हो सकते हैं आदि भी शामिल हैं। ब्लिंकन ने कहा कि हम यह स्पष्ट करते हैं कि ऐसे मूल सिद्धांत हैं, जिन्हें हम बनाए रखने और जिनकी रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें यूक्रेन की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने और देशों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था तथा गठबंधन के संबंध में फैसला लेने का अधिकार शामिल है।

प्रवेश वर्मा बोले- जयंत चौधरी ने एक गलत रास्ता चुना है

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट वोट बैंक को देखते हुए भाजपा भी उन्हें मनाने में जुटी है। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने जाट नेताओं के साथ एक बड़ी बैठक की है। यह बैठक भाजपा सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा के आवास पर हुई। प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा कि जयंत चौधरी जी ने एक गलत रास्ता चुना है यहां के समाज के लोग उनसे बात करेंगे और उनको समझाएंगे। हमारा दरवाज़ा उनके लिए खुला है। हम तो चाहते थे कि वो हमारे घर में आए लेकिन उन्होंने दूसरा घर चुना है।

बिहार में कानून का राज बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता- राज्यपाल

इसके लिए पुलिस बल की संख्या में बढ़ोत्तरी की गयी हैःफागू चौहान

पटना। बिहार के राज्यपाल फागू चौहान ने कहा कि राज्य में कानून का राज बनए रखना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। चौहान ने यहां ऐतिहासिक गांधी मैदान में झंडोत्तोलन के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा अपराध नियंत्रण के लिए सभी आयामों पर योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। इसके लिए पुलिस बल की संख्या में बढ़ोत्तरी की गयी है और पुलिस के लिए वाहन एवं अन्य संसाधन उपलब्ध कराये गये हैं। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में सामाजिक सौहार्द एवं साम्प्रदायिक सद्भाव का माहौल है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हमेशा से सुशासन एवं न्याय के साथ विकास पर जोर दिया है और सभी क्षेत्रों और वर्गों के विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा भ्रष्टाचार, आय से अधिक सम्पत्ति अथवा पदों के दुरुपयोग में संलिप्त भ्रष्ट लोक सेवकों के विरूद्ध कठोर एवं प्रभावकारी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा समाज सुधार के कार्यक्रम लगातार चलाये जा रहे हैं। चौहान ने कहा कि इस वर्ष की शुरूआत से ही देश के अन्य राज्यों की तरह बिहार में भी कोविड-19 के नये स्वरूप ओमीक्रोन के आने से मामले अचानक तेजी से बढ़े हैं।

कर्नाटक में 2023 के विस चुनावों के बाद जदएस की अहम भूमिका होगी

कुमारस्वामी का दावा, उनकी पार्टी के बिना कोई कुछ नहीं कर सकेगा

बेंगलुरू। जनता दल (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी ने संकेत दिया कि कर्नाटक में 2023 के विधानसभा चुनावों के बाद राज्य में उनकी पार्टी अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी के बिना कोई कुछ नहीं कर सकेगा। पूर्व सीएम कुमारस्वामी ने कहा कि इन दिनों चुनाव से पहले सभी दलों में दलबदल आम बात हो गयी है क्योंकि विचारधारा को लेकर गंभीरता नहीं है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, जद (एस) मजबूत होगी। यही नहीं, 2023 में भी, कोई भी जद (एस) के बिना कुछ नहीं कर सकेगा। मैं यह अहंकार में नहीं कह रहा हूं बल्कि क्योंकि लोगों का एक तबका है, जिसने इस पार्टी को बचाया और आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी आज जिस स्थिति में है, कार्यकर्ताओं की वजह से है न कि नेताओं की वजह से। उन्होंने कांग्रेस विधायक दल के नेता सिद्धरमैया पर भी निशाना साधा, जो पहले जद (एस) के साथ थे। कुमारस्वामी ने कहा, बिना किसी नेता के, हमने विभिन्न चुनावों में सीटें जीतीं। सिद्धरमैया जब जद (एस) के साथ थे, तब भी हमें 19 प्रतिशत वोट मिलता था और उनके पार्टी छोड़ देने के बाद भी यह कायम है, इसका श्रेय किसको जाता है, हमारे कार्यकर्ता को, मैं यह नहीं कह रहा कि यह मेरी वजह से है।

हरियाणा सरकार ने कोरोना प्रतिबंधों को 10 फरवरी तक बढ़ाया

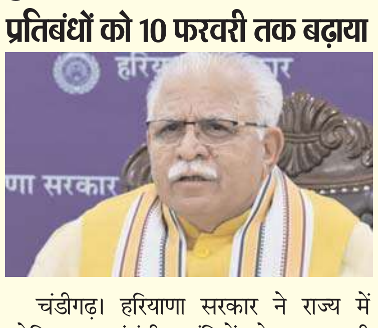

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य में कोविड-19 संबंधी पाबंदियों को 10 फरवरी तक बढ़ाने की घोषणा की है। राज्य में हालांकि मॉल और बाजारों को शाम सात बजे तक खोलने की इजाजत दे दी गई है। हरियाणा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एचएसडीएमए) ने एक आदेश जारी कर यह जानकारी दी।

कुसमुंडा खदान में घुसे भू-विस्थापित-3 घंटे खदान बंद

एसईसीएल को हुआ करोड़ों का नुकसान

कोरबा. कोरबा जिले के एसईसीएल कुसमुंडा खदान में उस समय अजीबोगरीब स्थिति निर्मित हो गई जब सैकड़ों की संख्या में भू-विस्थापित किसान हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लिए खदान क्षेत्र में घुस आए. इस अजीबोगरीब आंदोलन से एसईसीएल अधिकारी सकते में आ गए और 3 घंटे तक खदान को बंद रखना पड़ा। जिससे एसईसीएल को करोड़ों रुपयों का नुकसान उठाना पड़ा है।

वर्ष 1978-2004 के दौरान कोयला खनन के लिए इस क्षेत्र में हजारों किसानों की जमीन अधिग्रहित की गई थी, लेकिन सैकड़ों किसानों के पुनर्वास, मुआवजा और रोजगार के प्रकरण लंबित हैं। इसके खिलाफ रोजगार एकता संघ और छत्तीसगढ़ किसान सभा का पिछले तीन माह से धरना जारी है। आंदोलनकारी किसानों की मांग है कि वर्ष 2004 की पुनर्वास नीति के अनुसार सभी प्रभावित किसानों को स्थायी नौकरी दी जाए। एसईसीएल प्रबंधन द्वारा प्रभावितों को ठेका देने के प्रस्ताव को उन्होंने सिरे से ठुकरा दिया है।

पूर्व घोषणा के अनुसार कुसमुंडा, गेवरा, दीपका और कोरबा के सैकड़ों भू-विस्थापितों ने तिरंगा झंडा और बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीर लेकर रैली निकाली और कुसमुंडा खदान के 4 किमी. अंदर सतर्कता चौक तक घुस गए, जहां रोजगार एकता संघ के अध्यक्ष राधेश्याम कश्यप और छत्तीसगढ़ किसान सभा के कोरबा जिला अध्यक्ष जवाहरसिंह कंवर ने मिलकर तिरंगा झंडा फहराया। झंडा फहराने के बाद अपनी मांगों पर जोर देने के लिए आंदोलनकारियों ने तीन घंटे तक चक्का जाम करके उत्पादन भी ठप्प कर दिया। इस बीच वहां उपस्थित तहसीलदार के साथ उनकी तीखी झड़प भी हुई। कोरोना संक्रमण और धारा 144 के नाम पर आंदोलनकारियों को रोकने की प्रशासन ने काफी कोशिश की, लेकिन आंदोलनकारियों की बड़ी संख्या को देखते हुए प्रशासन असहाय नजर आया। खदान बंद के दौरान सभा को संबोधित करते हुए माकपा जिला सचिव प्रशांत झा ने कहा कि भू-विस्थापितों द्वारा अपनी जमीन के बदले रोजगार की मांग करना पूरी तरह संविधान सम्मत है और किसी कानून या प्रशासनिक आदेश द्वारा इसे छीना नहीं जा सकता।

अमेरिका ने 300 जेवलिन मिसाइलों को यूक्रेन भेजा

कीव। रूस और यूक्रेन में युद्ध के खतरे को देखते हुए अमेरिका ने 300 एंटी टैंक जेवलिन मिसाइलों को यूक्रेन भेजा है। ये मिसाइलें मैन पोर्टेबल हैं, जिन्हें यूक्रेनी सैनिक कंधों पर रखकर फायर कर सकते हैं। जेवलिन मिसाइलों को आर्मर्ड व्हीकल, टैंक और बंकरों को उड़ाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। युद्ध की स्थिति में ये मिसाइलें रूसी सेना के लिए बड़ी परेशानी पैदा कर सकती हैं। हालांकि, रूस ने अपनी टैंकों पर एक्सप्लोसिव रिएक्टिव आर्मर लगाए हुए हैं, जो दुश्मनों की मिसाइलों को नाकाम बना देते हैं। यूक्रेन स्थित अमेरिकी दूतावास ने ट्वीट कर बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडेन से स्वीकृत 200 मिलियन डॉलर की तीसरी खेप कीव पहुंच गई है।

कार्टून

पंजाब में दलितों के महत्व को दर्शाता है मतदान तिथी में बदलाव

-पंजाब में अजा की आबादी 31.94 फीसदी है, जो देश सबसे अधिक है

चंडीगढ़। पंजाब में गुरू रविदास जयंती के मद्देनजर मतदान तिथी को छह दिन आगे बढ़ाने के फैसले से पता चलता है कि राज्य में राजनीतिक दलों के लिए दलितों वोट कितने महत्वपूर्ण हैं। पंजाब में 14 फरवरी को मतदान होना तय हुआ था, लेकिन राजनीतिक दलों के प्रतिवेदन के मद्देनजर निर्वाचन आयोग ने मतदान की तारीख को आगे बढ़ाकर 20 फरवरी कर दिया ताकि गुरू रविदास जयंती उत्सव के दौरान व्यस्तताओं के चलते दलित समुदाय के लोग मतदान से वंचित न रह जाएं। गुरू रविदास जयंती 16 फरवरी को है। पंजाब में अनुसूचित जाति की आबादी 31.94 प्रतिशत है, जो देश के सभी राज्यों की तुलना में सबसे अधिक है। सभी राजनीतिक दल 20 फरवरी को होने वाले पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए उन्हें लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत के निर्वाचन आयोग ने पंजाब में एक चरण में होने वाले चुनाव के लिये मूल रूप से गुरू रविदास की जयंती से दो दिन पहले यानी 14 फरवरी मतदान की तारीख तय की थी, जिसके बाद सभी राजनीतिक दल हरकत में आए और निर्वाचन आयोग से कहा कि दलित मतदाता पंजाब और वाराणसी के बीच यात्रा के चलते मतदान से वंचित रह सकते हैं। शुरुआत में बसपा, उसके बाद मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, फिर भाजपा, पंजाब लोक कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) और आम आदमी पार्टी ने आयोग से 16 फरवरी को गुरू रविदास की जयंती के बाद मतदान कराने का आग्रह किया। दलित वोटों के महत्व का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पिछले साल कांग्रेस पार्टी ने चरणजीत सिंह चन्नी को राज्य का मुख्यमंत्री नियुक्त किया था, जो इस पद पर पहुंचने वाले अनुसूचित जाति के पहले व्यक्ति हैं।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड
98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

आईटीडीसी
Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

एयरपोर्ट रोड पंचवटी कॉलोनी में नवनिर्मित 2 BHK फ्लैट बेचना है, कवर्ड केम्पस में सेपरेट पार्किंग, लिफ्ट, फाल- सीलिंग, मोड्यूलर किचिन, 24घंटे पानी, सर्वसुविधायुक्त 9827062212, 8982702122

फ्लैट बेचना है 3 BHK,1856 वर्गफीट थर्ड फ्लोर, गार्डन/ स्विमिंगपुल, फेसिंग कोरलवुड की प्राइम लोकेशन मेन होशंगाबाद रोड पर कीमत 60 लाख संपर्क 9630058868

बेचना है माकन 1500 वर्गफीट बना, पत्रकार कॉलोनी में, कर पार्किंग सुविधा, लिंक रोड के पीछे, रीजनेबल रेट, संपर्क करे- 9098743006, 9300718467

For sale 1200/2100 Sqft Commercial Plots on 200ft Rode & 80ft @ Bagmugaliya Near Aashima mall & 968/1452 sqft @ Misrod Phase-2, BDA. Chugh Syndicate Property Pvt Ltd- 7000122016, 9425666664

बेचना है 22600 वर्गफीट प्लाट कमर्शियल मैन 80 फिट रोड बागमुगलिया, आशिमा मॉल के पास डायवर्सन बी.डी.ए, एन.ओ.सी. सहित मात्र 2000 रुपये वर्गफुट संपर्क 8109337747, 9425377426

वगफीट प्लाट कमर्शियल मैन 80 फिट रोड बागमुगलिया, आशिमा मॉल के पास डायवर्सन बी.डी.ए, एन.ओ.सी. सहित मात्र 2000 रुपये वर्गफुट संपर्क 8109337747, 9425377426

बेचना है अरविन्द विहार बागमुगलिया में 2400 sqft पर बना शानदार बंगला शीघ्र बेचना है संपर्क करे- 9993176488, 9826039606

बेचना है कर्मशियल परमिशन स्पेस 2400 पर 8500 वर्गफुट बना, राजीव गाँधी नगर , अयोध्या बाइपास रोड भोपाल , पार्क फेसिंग हॉस्पिटल/ गेस्टहाउस हेतु उपयुक्त 6264244558,8269287852

For sale 968/1452/4305 Sqft Plots at Misrod Phase 1-2 3 BHK Flat 1417 Sqft For Sale at Coral Woods Hoshangabad road. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. – 7000122016, 9425666664

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

किराये से देना है फर्स्ट फ्लोर पर नवनिर्मित फ्लैट 2 बेडरूम, 1 हॉल, किचिन, 2 बालकनी कवर्ड केम्पस लाइफस्टाइल ब्लू, आकृति ग्रीन के सामने, सलैया संपर्क - 9926453501, किराया - 7500/-प्रति महा एवं प्रति महा 1260/- सोसाइटी मेंटेनेस

Luxury 3 BHK Singlex fully furnished in Trilanga colony Rent 23000/- Contact- 8962643902.

37 वैशाली नगर कोटरा भोपाल का प्रथम तल, तीन कमरे, हॉल किराये से देना है किराया 14000 शर्मा लॉ चेंबर पुरानी विधानसभा संपर्क – 7000035422

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact @ 8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 B H K फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या शासकीय कर्मचारी की प्राथमिक, संपर्क करे 9893303141

किराये से देना है प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sq ft Residential Plot in Danishkunj and 1000/1500/2100sqft Residential Plot in danishhills, 9425008779

१st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

ITDC JOB आवश्यकता

आवश्यकता है रियल स्टेट कंपनी कोलार में अनुभवी स्टाफ की सेल्स मैनेजर (15k) एग्जीक्यूटिव (10k) सेलरी + इंसेंटिव कार्यालय M.H. इन्फ्रा चूना भट्टी भोपाल मो. 9302555495, 9826533189

Job Openings in waaree Energies Limited, 8140106217, 8369888296 www.waaree.com

Required Sales staff (female) store manager (male) cashier (male) for imitation jewellery store at newmarket. Age minimum25 yrs. Send your resume WhatsApp at 9343529570.

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLENCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

Required Marketing Executives for Hyderabad based MFG organization. Willing to travel MP, UP. , Chhattisgarh, Orissa, West Bengal & North India. Handsome Salary+ Attractive Incentives. Please mail C V to: Info@premierindustries.net

Required School Development Manager (Sales) on Fixed & Incentive basis. Location– Guna, Rajgharh, Sehore, Vidisha & Bhopal. 8850388123

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क D K 3 / 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS
AIR
TRAIN
BUS

JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

Job Openings
ITDC
VACANCIES

खबर की खबर

हम भारत के लोग

26 जनवरी 1950 को देश ने अपना संविधान स्वीकार किया। संविधान स्वीकृति के बाद हम गणतांत्रिक देश बन गये। देश की भौगोलिक, सामाजिक एवं आर्थिक विषमताओं को ध्यान में रखते हुए हमारे संविधान निर्माताओं ने भविष्य में देश के सम्मुख आने वाली चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम संविधान देश को दिया। संविधान की प्रस्तावना का प्रारम्भ करते हुए उन्होंने 'हम भारत के लोग' कहा। हम भारत के लोग अर्थात् अब हम स्वतंत्र सम्प्रभुता सम्पन्न गणतंत्र हैं। अब हम किसी विदेशी सत्ता के अधीन नहीं हैं। हमारा संविधान भी किसी विदेशी सत्ता द्वारा निर्देशित एवं निर्मित नहीं है। यह संविधान हमारे प्रतिनिधियों द्वारा अर्थात हमने ही बनाया है। इसका अर्थ हमारे द्वारा, हमारे लिए जिसको हम स्वीकार अथवा आत्मार्पित कर रहे हैं।

'हम भारत के लोग' देश के स्वतंत्र होते समय लगभग 40 करोड़, जो अब बढ़कर लगभग 138 करोड़ हो गये हैं। अब हम ही अपने भाग्य के निर्माता हैं। प्राचीन समय से अपने देश में एक कहावत प्रचलित है कि 'यथा राजा तथा प्रजा'। स्वतंत्रता से पूर्व हमारे देश में राजतंत्र था। राजपरिवार से राजा चुना जाता था। राजा की नीतियों का अनुसरण प्रजा के करने के कारण 'यथा राजा तथा प्रजा' की यह कहावत प्रचलित हुई होगी।

स्वतंत्रता के पश्चात् हमने लोकतंत्र स्वीकृत किया जिसके परिणाम स्वरूप जनता के वोट से जन प्रतिनिधि चुने जाने लगे। चुने हुए जनप्रतिनिधियों के संख्या बल से बहुमत प्राप्त दल, सरकार का गठन करता है। अतः अब हम अपना प्रतिनिधि स्वयं चुनते हैं। इस कारण जैसा चयन हम करेंगे वैसा हमारा प्रतिनिधि होगा। इसलिए कहावत को ऐसा भी कहा जा सकता है कि 'यथा प्रजा तथा राजा'। इस कारण देशहित का विचार करके मतदान करने वाला समाज गढ़ना प्रमुख कार्य देश के अग्रणी लोगों का है। पं. दीनदयाल उपाध्याय जी ने इस कार्य को 'लोकमन संस्कार' कहा है।

जब हम 'हम भारत के लोग' सम्बोधन करते हैं तब देश की 138 करोड़ जनसंख्या से इसका सन्दर्भ जुड़ता है। लेकिन 138 करोड़ भारतीयों का मन एवं संस्कार और संस्कार के आधार पर व्यवहार कैसा है, इसका भी विचार करना आवश्यक है। हिमालय से सागर, गुजरात से मणिपुर अर्थात उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम् विशाल 38.87 लाख वर्ग किलोमीटर विस्तृत भू-भाग वाला भारत देश है। भौगोलिक, जलवायु, मौसम आदि के आधार पर अनेक प्रकार की विविधता के दर्शन यहाँ पर होते हैं। भाषा के सन्दर्भ में कहा जाता है कि 'कोस-2 पर बदले पानी, चार कोस पर बानी'। इसी कारण संविधान द्वारा स्वीकृत 22 भाषा एवं क्षेत्रीय आधार पर 129 से अधिक बोली बोली जाती हैं। खान-पान, वेशभूषा, जन्म, धार्मिक आस्थाए शिक्षा एवं आर्थिक आधार अनेक प्रकार की विविधता निर्माण करते हैं। सतही दृष्टि रखने वाले लोग इन विविधताओं में भेद को देखते हैं।

गुलामी के लम्बे अन्तराल में हम स्वतंत्रता के लिए संघर्षरत रहे। इस कारण गतिशील समाज में अपनी समाज रचना के सन्दर्भ में बार-बार विचार करने की जो आवश्यकता रहती है वह हम नहीं कर सके। जो समाज व्यवस्था काल बाह्य हो गयी थी, उसका पुनर्विचार भी नहीं हुआ। इस कारण अस्पृश्यता, वर्ण-भेद आदि ने हमारे समाज को जंजीर के समान जकड़ लिया। आज भी जिसके उदाहरण देश में अनेक घटनाओं में प्रकट होते रहते हैं। लक्ष्य से भटकाव अथवा लक्ष्य विहीन समाज होने के कारण हमारी स्वार्थी वृत्ति ने भी अनेक दोष हमारे अंदर उत्पन्न किये। महिलाओं के प्रति दृष्टि अथवा अनेक कुरीतियों का जन्म इसी स्वार्थी मानसिकता का परिणाम है।

भारत के पास प्राचीन सांस्कृतिक विरासत एवं विश्व को दिशा देने में सक्षम ज्ञान परम्परा है। आर्थिक समृद्धि प्राप्त करने के लिए पर्याप्त कृषि योग्य भूमि, जल एवं वन सम्पदा तथा प्रचुर श्रम शक्ति उपलब्ध है। इन तीनों गुणों के आधार पर हम विश्व की महाशक्ति हो सकते हैं जो वैश्विक ताकतें भारत को बढ़ती ताकत के रूप में देखना नहीं चाहती, वह भी भारत को कमजोर करने के लिए भारतीय समाज में विभेदो को बढ़ाने का सुनियोजित प्रयास कर रही हैं। एकात्मता को खंडित करने में कुछ मात्रा में इन लोगो ने सफलता भी प्राप्त की है। गुलामी के कालखंड से ही इन शक्तियों ने भारतीय समाज को कमजोर करने के अनेक प्रयास किये।

विभेद को बढ़ाने के लिए अनेक सिद्धांत गढ़े। उत्तर-दक्षिण, आर्य-द्रविड़, आदिवासी-शहरवासी, भारत एक राष्ट्र नहीं, अनेक राष्ट्रों का समूह, जैसे अनेक सिद्धांत इसी अलगाववादी प्रवृत्ति को बढ़ाने की मानसिकता के उदाहरण हैं। छोटी-छोटी पहचान को आधार बनाकर आंदोलन खड़े करना एवं अलगाव के बीज बोकर संघर्ष खड़ा करना इसका प्रयास सुनियोजित तरीके से चल रहा है। कुछ समय पूर्व पूना का मराठा-अनुसूचित जाति संघर्ष, सिख-हिंदू संघर्ष के आधार पर आतंक को प्रश्रय, स्पृश्यता-अस्पृश्यता को आधार बनाकर गुजरात एवं उत्तर प्रदेश की घटनाएं इसी अलगाववादी मानसिकता से ऊपजे ताजा उदाहरण हैं।

नए-नए सिद्धांतों को गढ़ना, ऐतिहासिक घटनाओं को संदर्भ से काटकर नए-नए संदर्भों में प्रस्तुत करना, छोटे-छोटे विषयों को बढ़ाकर हिंसा फैलाना, हिंसा फैलाने वाले संगठनों को बौद्धिक धरातल देकर संरक्षण करना, ऐसे कार्य करने वालों को समाज में मान्यता प्रदान करना यह एक व्यवस्थित संजाल संपूर्ण देश में फैला है। कभी गरीबी, पिछड़ापन, पर्यावरण आदि का सहारा लेकर कार्य करने वाली शक्तियों को पहचानना आवश्यक है।

मल्टीयूटीलिटी सेंटर पुसला और घुघरा में कलेक्टर ने आजीविका की गतिविधियां का लिया जायजा

घुघरा मल्टीयूटीलिटी सेंटर में कलेक्टर ने फ्लाई ऐश ब्रिक्स के साथ पेवर ब्लॉक निर्माण, स्लीपर निर्माण की देखी बारीकियां, महिलाओं की प्रशंसा की

कोरिया। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने जिला पंचायत सीईओ कुणाल दुदावत के साथ विकासखण्ड सोनहत के ग्राम घुघरा और पुसला के गौठानों का भ्रमण किया। घुघरा और पुसला में स्थित गौठान एवं मल्टीयूटीलिटी सेंटर का निरीक्षण करते हुए उन्होंने स्वसहायता समूहों के महिलाओं से बातचीत कर उनके व्यवसाय की विस्तार से जानकारी ली। सुराजी ग्राम योजना के तहत ग्राम पंचायतों में बनाए गए गौठान उस गांव की महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए आदर्श स्थान बन रहे हैं। इसे और मजबूती प्रदान करने के लिए हर सम्भव प्रयास किया जा रहा है।

मल्टीयूटीलिटी सेंटर पुसला में स्वसहायता समूहों द्वारा चौनलिंक फेंसिंग, माहुल पत्तों से दोना निर्माण, बटेर पालन और पोल फेंसिंग का काम किया जा रहा है। कलेक्टर शर्मा ने सभी गतिविधियों का अवलोकन किया। दोना पत्तल की गुणवत्ता से कलेक्टर बेहद प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि डिस्पोजल प्लेट्स के लिए बेहतर विकल्प है। इसके निर्माण और बाज़ार में विक्रय को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। जिले में पहली बटेर पालन गतिविधि पुसला में शुरू की गई है। कलेक्टर ने इसके विस्तार के निर्देश देते हुए कहा कि बटेर की मोर्टेलिटी दर बेहतर होने के कारण इसमें समूह को फायदा हो सकता है। उन्होंने गतिविधि के विस्तार पर ज़रूरी दिशा-निर्देश दिए।

ई-रिक्शा चालक महिलाओं से मिले कलेक्टर, बढ़ाया मनोबल

कलेक्टर शर्मा पुसला गौठान में ही ई-रिक्शा चलाने वाली महिलाओं से भी मिले। कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ राज्य आजीविका मिशन के जिला मिशन प्रबंधक से महिलाओं को ई-रिक्शा के लिए उपलब्ध विभिन्न सब्सिडी की जानकारी ली। महिलाओं से आजीविका के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि महीने में 4 से 5 हज़ार रुपये की आय हो जाती है। 1 बार चार्ज करने पर दिन भर रिक्शा चल जाती है। ज्यादातर स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने के काम होता है। इसके अलावा अन्य सवारी भी मिल जाती है।

कलेक्टर शर्मा ने महिलाओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि समूह की महिलाएं पूरा मन लगाकर कार्य करें, उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए हर सम्भव मदद की जाएगी। सोनहत भ्रमण के दौरान कलेक्टर शर्मा ने घुघरा स्थित गौठान का निरीक्षण किया। घुघरा के मल्टीयूटीलिटी सेंटर में बनने वाली स्लिपर की मार्केटिंग के लिए गौठान के सामने ही छोटी दुकानें बनाई हैं। यहां मिनी राइस मिल और बीसी सखी द्वारा बैंकिंग सुविधा भी उपलब्ध है। कलेक्टर ने दुकान संचालन कर रही महिलाओं एवं मल्टीयूटीलिटी सेंटर में कार्यरत समूह की महिलाओं से उनकी आजीविका, होने वाले आर्थिक लाभ और समूह की महिलाओं के परिजनों के बारे में जानकारी ली। यहां मशीनों से फ्लाई ऐश बनाने वाली महिलाओं से ईंट विक्रय और चप्पल निर्माण करने वाले स्वसहायता समूह से उत्पाद की मांग और विक्रय की जानकारी ली। इसके बाद कलेक्टर ने गोबर खरीदी एवं वर्मी कम्पोस्ट निर्माण की जानकारी ली। यहां गौठान गौठान से लगे चारागाह का भी अवलोकन कर उन्होंने लगाए गए नेपियर ग्रास और उसके कुल उत्पादन व बिक्री की जानकारी ली। इस दौरान एसडीएम एवं सीईओ जनपद पंचायत सोनहत और एनआरएलएम के अधिकारी उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत के हाथों सम्मानित हुए लांस नायक महेश मिश्रा

कोरिया। जिले के आन बान और शान, कर्तव्यनिष्ठता की मिसाल माने जाने वाले ट्रैफिक मैन के नाम से मशहूर लांस नायक महेश मिश्रा को रामानुज मिनी स्टेडियम बैकुंठपुर में आयोजित 73 वें गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह 2022 के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ डॉ. चरणदास महंत के हाथों सम्मान एवं प्रशस्ति पत्र प्राप्त हुआ।

गौरतलब है कि मिश्रा पूरे वर्ष भर जिले सहित प्रदेश भर में स्वयं के व्यय पर यातायात जन जागरूकता अभियान संचालित करने के लिए जाने जाते हैं साथ ही समाज सेवा के क्षेत्र में भी हमेशा अग्रसर रहते हैं जिसके तहत भारी वाहन चालकों के आंखों की जांच करा कर कमजोर नजर वाले चालकों को स्वयं के व्यय पर पावर के चश्मे का वितरण करना, जिले के सभी शासकीय महाविद्यालयों में यातायात नियमों, संकेतों एवं चिन्हों से संबंधित बोर्ड लगाना, सड़क दुर्घटना में घायलों की सहायता करना, आवारा मवेशियों से हो रही दुर्घटनाओं पर रोक लगाने हेतु उनके गले में रेडियम पट्टा बांधने के साथ कई बार शहर के प्रमुख चौराहों के गड्ढों को भरने का कार्य इनके द्वारा किया जाता रहा है। कोरिया पुलिस द्वारा संचालित निजात अभियान के संचालन में भी इन्होंने महती भूमिका का निर्वहन किया है। मिश्रा को सम्मान प्राप्त होने पर सभी ने अपनी शुभकामनाएं दी हैं।

गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना महंत, राज्यमंत्री गुलाब कमरो, कलेक्टर कुलदीप शर्मा, पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कुणाल दुदावत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह, जिला सेनानी नगर सेना शेखर नारायण बोरवणकर, उप पुलिस अधीक्षक कविता ठाकुर सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी गण व सम्माननीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक गण उपस्थित रहे।

ध्वजारोहण कर भाजपा नेता शशांक रजक ने बुजुर्ग महिलाओ को बांटा कंबल

रायपुर। गणतंत्र दिवस मे ध्वजारोहण कर भाजपा के युवा नेता शशांक रजक ने प्रतिकुल मौसम मे ठण्ढ से राहत पहुंचाने के ध्येय से बुजुर्ग महिलाओ को कंबल का वितरण कर उनसे आशीर्वाद लिया. इस अवसर पर भाजपा के विशेष आमंत्रित सदस्य व पिछडा वर्ग मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष शशांक रजक ने कहा की भारत की धरती गौरव की धरती है. और आज इस पावन धरती पर 73 वे गणतंत्र दिवस पर तिरंगा झण्डा अपनी गौरवशावी इतिहास को समेटे आसमान की उँचाइयो को स्पर्श करता देख हृदय प्रफुल्लित व उत्साहित है.. इस मौके पर बडी संख्या मे लोग उपस्थित रहे जहां उन्होने शशांक रजक को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की..

छोटे बच्चों के साथ गणतंत्र दिवस मनाना एक सुखद अनुभव » शकुन्तला रतेरिया

रायगढ़। 26 जनवरी को पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ 73 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया, भाजपा रायगढ़ शहर मंत्री शकुन्तला रतेरिया ने छोटे बच्चों के साथ गणतंत्र दिवस मनाया, शकुन्तला रतेरिया ने कहा कि छोटे बच्चों के साथ गणतंत्र दिवस मनाना एक बहुत ही सुखद अनुभूति मन को आनंद देने वाला रहा है. इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को तिरंगे झंडे चॉकलेट और मिठाइयां बांटी। जिसे पाकर बच्चे बहुत ही उत्साहित हो उठे, इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को राष्ट्रहित की बातें भी समझाई, साथ ही साथ स्वच्छता का महत्व समझाते हुए स्वच्छता का संदेश देने का भी प्रयास किया। और उन्होंने बच्चों को सत्य और अहिंसा के मार्ग में चलने की भी शिक्षा दी। शकुन्तला रतेरिया ने कहा कि ऐसे पर्व और त्योहारों को बच्चों, गरीबों और बुजुर्गों के साथ मनाने का प्रयास करना चाहिए जिससे हम कुछ खुशियों के पल उन्हें भी बांट सके।

औषधि वि`ता संघ ने किया ध्वज वंदन

जांजगीर। जिला औषधि विक्रेता संघ ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस के पावन पर्व पर केमिस्ट भवन नैला मे ध्वज वंदन किया गया. ध्वज वंदन जिला औषधि विक्रेता संघ के अध्यक्ष नरेश अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर नरेश अग्रवाल ने प्रदेशवासियों और जिले वासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी. और साथ में देश के समृद्धि और तरक्की की मंगल कामना की. इस अवसर पर औषधि विक्रेता संघ के सचिव पवन पालीवाल कोषा अध्यक्ष दीपक गोयल जितेंद्र केसरवानी उदय सिंह परिहार विकेश अग्रवाल बालकृष्ण सिंघल महेश पालीवाल कैलाश रिकी शर्मा दुर्गेश राठौर नीरज अग्रवाल टंकेश्वर पटेल राजेश राठौर चंद टहलानी रमेश धैर्य सहित दवा विक्रेता और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे.

एम.एस.पी. स्टील रायगढ़ में मनाया गया 73 वें गणतंत्र दिवस

चीफ आपरेटिंग आफिसर बी.के.सिंह ने किया ध्वाजारोहण

रायगढ़। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस बड़े हर्ष व उल्लास के साथ एम.एस.पी. स्टील जामगांव के प्रागण में मनाया गया। इस अवसर पर कंपनी के चीफ आपरेटिंग आफिसर बी.के.सिंह ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण, परेड़ का निरिक्षण व ध्वाजारोहण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बी.के.सिंह व अध्यक्ष वीर सेन सिंह का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया गया। इस अवसर पर डॉ. संजय सिंह परिहार ने अपने स्वागत भाषण में कोरोना की वजह से निर्मित विपरीत परिस्थितियों में कंपनी के सुचारू रूप से संचालन करने के लिए सभी कर्मचारियों एवं प्रबंधन का आभार प्रकट किया। मुख्य अतिथि बी.के.सिंह ने अपने भाषण में

अमर शहीदों को किया गया याद

स्वाधीनता सेनानियों और अमर शहीदों को नमन किया, तदोपरांत संयंत्र की उपलब्धियों तथा विस्तार के बारे में विस्तृत रूप से अपने भाषण में रखे और नये-नये तकनीकी का उपयोग कर उत्पादकता बढ़ाने व उत्पादन लागत को कम करने की सलाह देते हुए पर्यावरण के प्रति कंपनी के दायित्व, कंपनी के बुनियादी मुल्य तथा विजन 2030 की लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी को सलाह दी और सभी विभागों को उनकी विशिष्ट उपलब्धिकयों के लिये धन्यवाद दिया। पर्यावरण की रक्षा व कर्मचारियों की सुरक्षा हम सबका प्रथम दायित्व है इस पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीर सेन सिंह ने की व अपने उद्बोधन में कंपनी के सभी कर्मचारियों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में कंपनी के वरिष्ठ विभाग प्रमुख तथा विभागध्यक्ष उपस्थित थे।

इस अवसर पर कंपनी में कार्यरत् कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया जिसमें 10 वर्षो से लगातार उत्कृष्ट प्रर्दशन, सुझाव, ट्रेनिग, आदि। इस अवसर पर सह उद्योग इण्डोब्स प्रा. लिमिटेड़ में भी ध्वाजारोहरण का कार्यक्रम किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए महाप्रबंधक मानव संसाधन श्री मनीष बख्शी के द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मानव संसाधन, प्रशासनिक, पर्यावरण, सुरक्षा विभाग का सराहनीय सहयोग रहा।

लीनेस क्लब सेवांजली ने उल्हास पूर्वक मनाया 73वां गणतंत्र दिवस

रायपुर। 26 जनवरी को प्रात: काल अध्यक्ष लीनेस सुमिता पाण्डेय के प्रांगण में पूरे आदर और सम्मान के साथ सभी सदस्यों की उपस्थिति में बहुत ही शानदार तरीके से ध्वजारोहण का कार्य क्रम संपन्न हुआ।

जन गण मन के सहगान ने पूरे वातावरण को गुंजायमान कर आनंद से भर दिया। भारत माता की जय, गणतंत्र अमर रहे, और वंदे मातरम के संयुक्त स्वर ने, परिवेश गूंजायमान करदिया। भारत माता की फोटो पर जयमाल और पुष्पांजलि के बाद संरक्षक लीनेस डा प्रो मंजरी गुरु तथा लीनेस सुषमा श्रीवास्तव ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं और बधाइयां दी। अध्यक्ष सुमिता पाण्डेय ने सबको बधाइयां और शुभकामनाएं देने के बाद अपने उद्बोधन में गणतंत्र दिवस के बारे में सारगर्भित विचारों का प्रकटीकरण करते हुए कहा कि हमें अपने गणतंत्र तथा तिरंगे की आन-बान शान का हर पल ध्यान रखना है।

अपने संविधान द्वारा दिये गये अधिकारों के साथ ही साथ कर्तव्यों को पूरी निष्ठा ईमानदारी समर्पण तथा लगन से संपन्न करना है लीनेस मंजरी गुरु ने तिरंगे के तीन रंगों के महत्व , भारतीय संविधान और गणतंत्र दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला , देशभक्ति पर अपना स्वरचित गीत गाया तथा एक आव्हान गीत, खून पसीने से अपनी धरती को नया बनाएंगे हम नया सबेरा लायेगे भी प्रस्तुत किया। लीनेस श्रीमती लता बघेल ने अपनी स्वरचित रचना के माध्यम से भारतीय इतिहास के पन्ने पलटते हुए बताया कि कितनी मुश्किल से हमें आजादी मिली है और हमें उसे संभाल कर रखना है। संरक्षक लीनेस सुषमा जी ने स्वदेश प्रेम की महिमा बताई। कार्यक्रम का सफल संचालन लीनेस रजनी मिश्रा ने किया। आभार लीनेस रूपांजलि देशमुख द्वारा दिया गया। यहां यह उल्लेखनीय है कि सभी सदस्य तिरंगे के तीन रंगों वाले वेशभूषा में थी। सभी ने परस्पर सभी को शुभकामनाएं और बधाइयां दी।

बूंदी सेव का वितरण किया

सेवांजली क्लब अध्यक्ष ने जिन सदस्यों का जनवरी माह में जन्मदिवस था, उन्हें पौधा उपहार स्वरूप प्रदान करते हुए पौधे संरक्षण का संदेश दिया एवं एक पौधा एक व्यक्ति अभियान का शुभारंभ किया ।कार्यक्रम उपरांत सभी को नाश्ते के पैकेट प्रदान किए गए।कार्यक्रम को सफल बनाने में लीनेस कावेरी शुक्ला ,लीनेस ममता चौहान ,लीनेस चंचला सिंह , लीनेस प्रतिभा सिंह ठाकुर ,लीनेस प्रियंका श्रीवास्तव, लीनेस तनु शर्मा ,लीनेस निशत अली, लीनेस सुनीता यादव, लीनेस प्रतिभा सिंह, लीनेस पूनम वर्मा ,लीनेस अर्चना महाले ,लीनेस सरोजनी कुर्रे का विशेष सहयोग रहा।

जिले के विकासखण्ड मुंगेली एवं लोरमी में कोविड पॉजिटिविटी दर 5 प्रतिशत से अधिक

समस्त शालाएं 2 फरवरी तक रहेंगें बंद

मुंगेली। कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गनिर्देशन में जिले के विकासखण्ड मुंगेली एवं लोरमी में कोविड पॉजिटिविटी की दर 5 प्रतिशत से कम करने हेतु 19 जनवरी से संभावित उपाय अमल में लाया जा रहा है। इसके बावजूद भी अब तक वहां पॉजिटिविटी दर में कमी नहीं हो पाई है। इसे देखते हुए कलेक्टर वसंत ने अब वहां संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय और अनुदान प्राप्त विद्यालयों, एकलव्य आदिवासी आवासीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, बालक-बालिका छात्रावास को 02 फरवरी तक बंद करने के निर्देश

दिए हैं। उन्होने पूर्व की भांति आनलाईन कक्षाओं का संचालन करने तथा समय-समय पर शासन द्वारा कोविड 19 (कोरोना वायरस) हेतु जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के साथ-साथ नाक, मुंह ढंककर रखने, फेस मास्क को सही ढंग से लगाने, साबुन पानी से हाथ धोते रहने, भीड़ वाली जगह से बचने और फिजिकल डिस्टेंसिंग रखकर ही किसी से मेल-मुलाकात करने की समझाइश दी है। इसके अलावा उन्होंने कोरोना से बचने के लिए टीके का दोनों डोज लगवाने तथा 15 से 18 वर्ष के उम्र के बच्चों को टीका लगवाने की सलाह दी है। ताकि कोरोना वायरस(कोविड-19) एवं नए वेरियंट ओमिक्रॉन संक्रमण के फैलाव को रोका जा सके।

हिंदी-हल्बी डिक्शनरी-हल्बी व्याकरण किताबों का विमोचन मुख्यमंत्री ने किया

जगदलपुर। बस्तर के साहित्यकार रूद्र नारायण पाणिग्रही ने हल्बी के 07 हजार से अधिक शब्दों का संकलन कर हिंदी हल्बी शब्दकोश की रचना करने के भागीरथी प्रयास में सफल हुए हैं। इस शब्दकोश का विमोचन एक विशेष समारोह में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किया। रूद्र नारायण पाणिग्रही की हिंदी-हल्बी डिक्शनरी के साथ ही,हल्बी व्याकरण, बस्तर के लोकपर्व, हल्बी कहावतें व मुहावरे एवं हेरीटेज वाक किताबों का विमोचन भी मुख्यमंत्री ने किया। हिंदी हल्बी शब्दकोश की किताब लिखने वाले साहित्यकार रूद्र नारायण पाणिग्रही ने बताया कि बस्तर संभाग में गोंडी, दोरली, भतरी व हल्बी बोली अलग-अलग भूभाग में प्रचलित है। लेकिन इन सभी बोली भाषाओं को बोलने वाली जनजातियों को एक सूत्र में बांधने यदि किसी भाषा को मान्यता मिली है तो वह हल्बी है।

अंशदायी पेंशन योजना

राज्य शासन के अंशदान 10 से बढ़कर 14 प्रतिशत कर्मचारियों का अंशदान पूर्ववत 10 प्रतिशत ही रहेगा

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने राज्य के कर्मचारियों के हित में बड़ा फैसला लिया है। अब राज्य के कर्मचारियों के लिए अंशदायी पेंशन योजना अंतर्गत राज्य शासन के अंशदान को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत किया जाएगा। कर्मचारियों का अंशदान पूर्ववत 10 प्रतिशत ही रहेगा। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के इस निर्णय से राज्य के लगभग 3 लाख कर्मचारी लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री का यह निर्णय निश्चित तौर पर सेवारत शासकीय सेवकों सहित उनके परिजनों के हित के लिए राहत और खुशी देने वाला है। उल्लेखनीय है कि

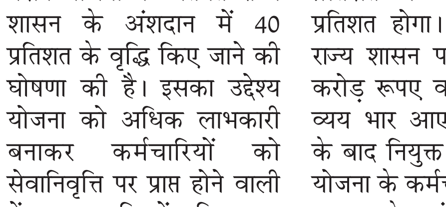

मुख्यमंत्री का फैसला सेवारत शासकीय सेवकों सहित उनके परिजनों के हित के लिए राहत और खुशी देने वाला

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य के कर्मचारियों के हित में अंशदायी पेंशन योजना के अंतर्गत राज्य शासन के अंशदान में 40 प्रतिशत के वृद्धि किए जाने की घोषणा की है। इसका उद्देश्य योजना को अधिक लाभकारी बनाकर कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर प्राप्त होने वाली पेंशन धन राशि में वृद्धि करना है। योजना के अंतर्गत अब राज्य शासन का अंशदान कर्मचारियों के मूल वेतन तथा महंगाई भत्ते के योग का 10 प्रतिशत के स्थान पर 14 प्रतिशत होगा। इस निर्णय से राज्य शासन पर लगभग 520 करोड़ रूपए वार्षिक अतिरिक्त व्यय भार आएगा। वर्ष 2004 के बाद नियुक्त अंशदायी पेंशन योजना के कर्मचारियों को राज्य शासन के अंशदान को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 14 प्रतिशत करने की घोषणा का राज्य प्रशासनिक सेवा संघ और विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने स्वागत किया है। इन संगठनों ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा है कि यह फैसला समावेशी, दूरदर्शी और संवेदनशील सोच का परिणाम है। मुख्यमंत्री के इस फैसले से शासकीय सेवकों का मनोबल बढ़ेगा।

स्टार बॉयज क्लब जोगीडिपा द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 73 वें गणतंत्र दिवस

रायगढ़। स्टार बॉयज क्लब जोगीडीपा द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी सिद्धिविनायक निवासी सुभाष अग्रवाल द्वारा सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया. तत्पश्चात सुभाष अग्रवाल द्वारा ध्वजारोहण किया गया. इस अवसर पर स्टार बॉयज क्लब के सदस्य अकाश सारथी नरमवीर सारथी संजू सहीस गोविंदा सारथी करन सारथी व क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को सेवबूंदी वितरण किया गया।

पाकिस्तान की एंट्री

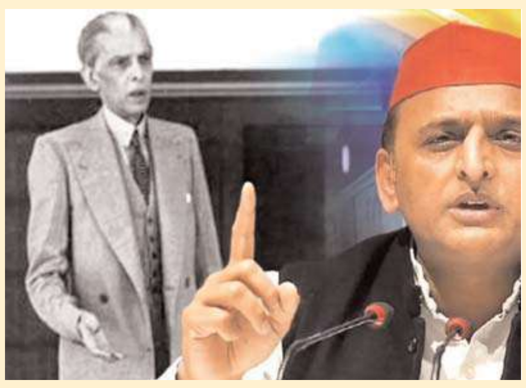

देश के बंटवारे के लिए जिम्मेदार मोहम्मद अली जिन्ना को लेकर अखिलेश यादव के बयान के बाद यूपी की सियासत में गन्ना बनाम जिन्ना के बाद अब पाकिस्तान की भी एंट्री हो गई है। जिन्ना की तरह ही नया विवाद भी सपा अध्यक्ष की ओर से दिए गए बयान के बाद शुरू हुआ है। एक इंटरव्यू में पाकिस्तान भारत का असली दुश्मन नहीं बोलकर अखिलेश यादव ने मौके की ताक में बैठी भाजपा को नया हथियार दे दिया है। भाजपा ने मुद्दे को लपकते हुए सपा पर जोरदार पलटवार किया और उनसे माफी की मांग की है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा अखिलेश के इस बयान के सहारे वह मोड़ दे सकती है, जिसमें उसे महारत हासिल है। अखिलेश के इस बयान को हिटविकेट वाला शॉट भी बताया जा रहा है। दरअसल एक इंटरव्यू में अखिलेश यादव से भारत में चीनी निवेश पर विचार मांगा गया था। इसके जवाब में उन्होंने कहा, डॉ. राममनोहर लोहिया और मुलायम सिंह यादव का इस पर विचार स्पष्ट है। हमारा असली दुश्मन चीन है। पाकिस्तान हमारा राजनीतिक दुश्मन है। लेकिन भाजपा केवल वोट राजनीति की वजह से पाकिस्तान को निशाना बनाती है। लोकसभा में केवल सपा ने यह सवाल उठाया कि विधानसभा में पीओके की 24 सीटों पर सदस्य कब होंगे तब गृहमंत्री ने कहा था कि हम अक्साई चिन तक पहुंचेंगे। अब हम सुन रहे हैं कि गलवान में क्या हो रहा है। वह हमारी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं, हमारे कारोबार पर अतिक्रमण कर रहे हैं। भारत सरकार को इस पर सोचना चाहिए और विपक्षी दलों से बात करनी चाहिए। निवेश के मोर्चे पर हम चीन के साथ कारोबार को मजबूर हैं। यह एक मुश्किल स्थिति है जहां हमें अपने सबसे बड़े दुश्मन के साथ व्यापार करना पड़ रहा है। हमें अपनी इंडस्ट्री को मजबूत करना होगा। बिजनेस के साथ फौज भी चलती है। अखिलेश के इस बयान पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए अखिलेश यादव पर जोरदार पलटवार किया। संबित पात्रा ने कहा, एक तरफ जहां पूरा देश उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस मना रहा है। वहीं अखिलेश यादव ने एक साक्षात्कार में कहा कि पाकिस्तान भारत का असली दुश्मन नहीं है। अखिलेश यादव का कहना कि वह पाकिस्तान को भारत का असली दुश्मन नहीं मानते और भाजपा केवल वोट की राजनीति की वजह से पाकिस्तान को दुश्मन मानती है। दुखद, चिंताजनक और शर्मनाक। तुरंत अखिलेश यादव को इस पर माफी मांगनी चाहिए। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा को वह मुद्दा मिल चुका है, जिसकी बदौलत वह किसी चुनाव का रुख अपनी ओर मोडने् में महारत रखती है। अब तक पीएम मोदी या केंद्र सरकार के खिलाफ बोलने से बचते रहे अखिलेश यादव ने पाकिस्तान का नाम लेकर भाजपा को वह मौका दे दिया है कि वह अब स्थानीय मुद्दों से ध्यान हटाकर आसानी से राष्ट्रीय मुद्दों की ओर ले जाए, जो उसके लिए अधिक मुफीद होगा। जिन्ना का मुद्दा भी अखिलेश यादव के खिलाफ जा रहा था। एक बार फिर उन्होंने ऐसा मुद्दा दिया है जिससे ध्रुवीककरण तेज होगा और उनके इसका खामियाजा उठाना पड़ सकता है। यदि अखिलेश यादव ने मुस्लिम तुष्टिकरण को ध्यान में रखर यह बात कही है तो उन्होंने बड़ी गलती कर दी है। वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं, एक पार्टी के अध्यक्ष हैं, जिस तरह उन्होंने अपने चाचा शिवपाल यादव को साइडलाइन किया, इस सबके बाद यह नहीं कहा जा सकता कि यह चूक का जुबान फिसलने का मामला है। यह जानबूझकर कही गई बात लगती है, लेकिन यह उनके लिए आत्मघाती होगा। भाजपा के लिए आसानी हो गई है। अखिलेश यादव कहते हैं कि भारत असली दुश्मन नहीं तो यह उनका बचकना है और बड़ी गलती है। बीजेपी लोकल मुद्दों से ध्यान हटाकर राष्ट्रीय सुरक्षा की ओर मोडने् में कामयाब हो सकती है। दरअसल अखिलेश यादव के अवचेतन मन में हमेशा उनका एमवाई वोटबैंक होता है, और इसी का रिफ्लेक्शन है कि अक्सर वह ऐसी गलतियां करते हैं कि उन्हें बीजेपी के पिच पर खेलने को मजबूर होना पड़ता है।

संपादकीय

अमर जवान ज्योति अब अपने सही स्थान पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 फरवरी 2019 को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन किया था, जहां भारत की रक्षा में प्राण देने वाले 25,942 वीर सैनिकों के नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखे गए हैं. इस युद्ध स्मारक में 1947-48 के युद्ध से लेकर गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ संघर्ष तक बलिदान हुए सैनिकों के नाम अंकित हैं.

1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध के बलिदानियों की स्मृति में अमर जवान ज्योति जो , अंग्रेजो द्वारा बनाई गई गुलामी की निशानी इंडिया गेट पर कांग्रेस सरकार द्वारा लगाई गई थी , वह अब इंडिया गेट से 400 मीटर दूर राष्ट्रीय युद्ध स्मारक या नेशनल वॉर मेमोरियल पर प्रज्वलित ज्योति के साथ प्रज्वलित होगी। तथा इंडिया गेट पर अमर जवान ज्योति के स्थान पर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की प्रतिमा लगेगी।

विदित हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 फरवरी 2019 को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का उद्घाटन किया था, जहां भारत की रक्षा में प्राण देने वाले 25,942 वीर सैनिकों के नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखे गए हैं. इस युद्ध स्मारक में 1947-48 के युद्ध से लेकर गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ संघर्ष तक बलिदान हुए सैनिकों के नाम अंकित हैं. इनमें आतंकवादी विरोधी अभियान में जान गंवाने वाले सैनिकों के नाम भी हैं. सशस्त्र सेनाओं के सैनिकों के बलिदान पर इससे पहले कोई राष्ट्रीय स्मारक नहीं था.

अब से पहले अमर जवान ज्योति इंडिया गेट पर प्रज्वलित थी ,उस इंडिया गेट पर जिस को अंग्रेज एडविन लुटियन ने डिजाइन किया था. इसकी आधारशिला 10 फरवरी 1921 को रखी गई थी. ये 10 साल में बनकर तैयार हुआ था. 12 फरवरी 1931 को तत्कालीन वायसराय लॉर्ड इर्विन ने इंडिया गेट का उद्घाटन किया था.

इंडिया गेट को अंग्रेजों ने 1914 से 1918 तक प्रथम विश्व युद्ध में और 1919 में तीसरे एंग्लो-अफगान युद्ध में ,जिसमे 80 हजार से ज्यादा अंग्रेजी सेना के भारतीय सैनिक मारे गए थे उन्हें ही श्रद्धांजलि देने के लिए बनाया गया था. दिसंबर 1971 में भारत

और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था. ये युद्ध 3 से 16 दिसंबर तक चला था. इस युद्ध में पाकिस्तान को घुटने टेकने पड़े थे. हालांकि, इसमें कई भारतीय जवान भी वीर गति को प्राप्त हुए थे.

1971 के युद्ध में भारतीय सेना के 3,843 जवान वीर गति को प्राप्त हुए थे. इन्हीं बलिदानियों की याद में अमर जवान ज्योति जलाने का फैसला हुआ. तब अंग्रेजो के बनाई इस गुलामी की निशानी यानी इंडिया गेट के नीचे एक काले रंग का स्मारक बनाया गया, जिस पर अमर जवान लिखा था. इस पर रु1 सेल्फ लोडिंग राइफल भी रखी हुई थी. इसी राइफल पर एक सैनिक हेलमेट भी लगा था। यही पर आ।र जवान ज्योति जला दी गयी थी , जिसका उद्घाटन 26 जनवरी 1972 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने किया था. लेकिन 1971 के युद्ध मे बलिदान हुए एक भी सैनिक का न तो यहां नाम था न ही विवरण ।

इंडिया गेट पर अमर जवान ज्योति गांधी खानदान के निकम्मेपन और सेना के जवानों के बलिदान के प्रति लापरवाही एवम अपमान का प्रतीक था. यह जनचर्चा थी कि खुद के लिए बड़ी बड़ी समाधियां और भारत के लिए प्राण देने वाले सेना के बलिदानियों के लिए अंग्रेजो के बनाए इंडिया गेट के नीचे मात्र एक छोटी सी ज्योति रख कर काम चलाना.वैसे यह देशभक्तो को भी खटकता था।

अब अंग्रेजो की इस निशानी पर अंग्रेजो के विरुद्ध लड़ने वाले आजाद हिंद फौज के सेनानायक सुभाष चन्द्र बोस गर्व से खड़े होकर मुस्करायेंगे ।

आने वाली पीढ़ियां अंग्रेजी सेना की ओर से लड़ने वालों के साथ साथ आजाद हिंद सेना की ओर से अंग्रेजो से लड़ने वालें रणबांकुरों को भी गर्व से याद करेगीं ओर सम्मान देंगी ...गांधी परिवार देशभक्तो को सही स्थान मिलने से शायद खुश नही है ,यह तथ्य राहुल गांधी और कांग्रेस के बयान से स्पष्ट हो रहा है ,पर स्वाधीनता के अमृत महोत्सव पर अमर जवान ज्योति को हुतात्माओं के नाम और विवरण के साथ युद्ध स्मारक पर प्रज्वलित करना तथा सुभाष चन्द्र बोस को अंग्रेजी गुलामी की निशानी की छाती पर खड़ा करना एक श्रेष्ठ कार्य है । भारत के सैनिक परिवार और आम जनता मोदी सरकार के इस कार्य की प्रशंसा कर रही है ।

लगातार बढ़ रहा है कांग्रेस का कुनबा !

चुनाव के लिए नामांकन शुरू हो चुके है।राजनीतिक पार्टियां भी आए दिन अपने प्रत्याशियों के नामो की सूची जारी कर रही है।इसी बीच दलबदल का काम भी जारी है।भाजपा के हरक सिंह रावत अपनी पुत्रवधू अनुकृति गौसाई को लेकर कांग्रेस में आ गए है।उन्हें कांग्रेस में एंट्री के लिए माफी मांगने से लेकर 5 दिनों तक का लंबा इंतजार भी करना पड़ा।वही विधायक ओम गोपाल भी कांग्रेस से आन मिले है।शायद इसी लिए कांग्रेस प्रत्याशी चयन में देरी हुई।कांग्रेस का 'तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा, थीम सॉन्ग भी जलवा बिखेर रहा है और भाजपा को घेरने में लगा है।कांग्रेस इस थीम सॉन्ग के माध्यम से उत्तराखंड में भाजपा की नाकामियों को हवा देने की कोशिश कर रही है।कांग्रेस ने दावा किया है कि आगामी चुनावों में भाजपा को पराजित किया जाएगा।कांग्रेस ने इस थीम सॉन्ग जारी किये जाने के अवसर पर अपनी एकजुटता प्रदर्शित भी की है।जिसमेडबल इंजन नीति की नाकामियों को उजागर किया गया है। उत्तराखंड और केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा यह दावा करती रही है कि उसका डबल इंजन मॉडल राज्य के विकास के लिए फायदेमंद रहा है। तीन तिगाड़ा, काम बिगाड़ा सूत्र वाक्य के साथ कांग्रेस का थीम सॉन्ग राज्य में भाजपा द्वारा तीन बार अपना मुख्यमंत्री बदलने की ओर जनता का ध्यान आकृष्ट कराता है।

कांग्रेस के थीम सॉन्ग में भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा गया है और डबल इंजन नीति की नाकामियों को उजागर किया गया है।उत्तराखंड और केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी यह दावा करती रही है कि उसका डबल इंजन मॉडल राज्य के विकास के लिए फायदेमंद रहा है। तीन तिगाड़ा, काम बिगाड़ा सूत्र वाक्य के साथ कांग्रेस का थीम सॉन्ग राज्य में बीजेपी द्वारा तीन बार अपना मुख्यमंत्री बदलने की ओर ध्यान आकृष्ट कराता है।

कांग्रेस ने गीत में यह भी दावा किया है कि आगामी चुनावों में बीजेपी को पराजित किया जाएगा। कांग्रेस की प्रदेश इकाई ने थीम सॉन्ग जारी किये जाने के अवसर पर अपनी एकजुटता प्रदर्शित की। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने प्रदेश इकाई में गुटबंदी और कलह को लेकर सार्वजनिक रूप से अपनी ही पार्टी की आलोचना की थी।पूर्व मुख्यमंत्री

हरीश रावत ने गीत जारी किये जाने के बाद कहा, लोग उत्तराखंड में बदलाव चाहते हैं और वे खुलकर ऐसा कह रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि राज्य में कांग्रेस का चेहरा कौन होगा, उन्होंने कहा, लोग चेहरा होंगे और लोग स्पष्ट रूप से बदलाव करने की बात कह रहे हैं। हरीश रावत ने कहा कि थीम सॉन्ग 2022 के चुनावों के महत्व को बयान करता है और राज्य में बदलाव का आह्वान

करता है। उन्होंने कहा, आज, हम ना सिर्फ सत्ता बदलने की, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा करने भी मांग कर रहे हैं, ताकि विकास की अवधारणा के लिए लड़ाई लड़ी जाए। जिसे विकृत कर दिया गया है। उत्तराखंड में कांग्रेस के चुनाव प्रचार अभियान समिति के अध्यक्ष हरीश रावत ने कहा कि हटाये गये मुख्यमंत्रियों में एक वित्त मंत्री के तौर पर राज्य का बजट का संचालन कर रहे थे और उन्हें बदल दिया गया। उन्होंने कहा, यह संसदीय परंपरा का अपमान है और लोगों को नहीं बताया गया कि उन्हें क्यों बदला गया। केदारनाथ आपदा से निपटने में नाकामी को लेकर सन 2013 में मुख्यमंत्री बदले गये थे। रावत ने कहा, राज्य में डबल इंजन शासन नाकाम हो गया।दूसरा मुख्यमंत्री क्यों नियुक्त किया गया,यह आज तक एक रहस्य बना हुआ है। केवल दो लोग, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री जानते हैं कि यह क्या रहस्य है? जिससे उत्तराखंड स्वयं को अपमानित महसूस कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तराखंड में देश में कोविड से सर्वाधिक मृत्यु दर रही है और भाजपा सरकार ने कोविड संकट का कुप्रबंधन किया।जिसके चलते कोविड जांच घोटाला तक हुआ है।दरअसल तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा,ये नारा एक आईना है जिस आईने में हम पिछले 5 वर्ष रही सरकार के जन विरोधी चेहरे को देखते हैं। हमारी सरकार ने मलिन बस्तियों के समग्र विकास को ध्यान में रखकर मलिन बस्तियों से ही उठकर आगे आये विधायक राजकुमार की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई, जिसमें तिलकराज बेहड़ के स्तर के लोगों को भी जोड़ा गया था। इस कमेटी ने राज्य में सभी हिस्सों का दौरा कर एक व्यापक रिपोर्ट सारे मलिन बस्तियों की गणना कर बनाई। जिसको आधार बनाकर हमने 3 कदम तत्काल उठाये। पहला 35 हजार घर बनाने का एक प्रोजेक्ट जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना को समाहित करते हुए बनाई। इस योजना की खासियत यह थी कि आवास पाने वाले को बहुत कम पैसा लंबी किस्त के रूप में अदा करना पड़ता था। इस परियोजना का शिलान्यास मैंने रुद्रपुर में किया और इसी योजना के तहत एम.डी.डी.ए. को भी हमने कुछ भूमि देकर आवासीय भवन बनाने का दायित्व सौंपा जो उन्होंने निष्ठा से पूरा किया और यह आवासीय भवन निम्न मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर बनाए। दूसरा काम हमने रिवरफ्रंट डेवलपमेंट का प्रारंभ किया और काम रिस्पना नदी में ब्रह्मपुरी के आस-पास से प्रारंभिक प्रतिरोध के बाद हम लोगों को समझाने में सफल हुए और लोगों ने रिवरफ्रंट डेवलपमेंट का काम को आगे बढ़ने दिया जो लगभग रिंग रोड तक पहूँच गया, कुछ किलोमीटर तक ही कांग्रेस शासक इस काम को आगे बढ़ा पाये, तब तक सरकार में परिवर्तन हो गया और यह काम अवरुद्ध हो गया। कांग्रेस ने मलिन बस्तियों का सांख्यिकीयकरण कर उनको नियमितीकृत किये जाने किए जाने का कानून विधानसभा में पारित करवाया। ताकि उन पर अवैध कब्जेदारी का टैग हट जाए और वो कानून सम्वत तरीके से जहाँ पर वो रह रहे हैं और सरकार की सहमति से उस स्थान पर या उससे कुछ हटकर दूसरे स्थान पर अपना मकान बनाकर उसके मालिक बन सकें। इस तरीके से एक तो राज्य के अंदर आवास हीनता की प्रॉब्लम को हल हुई और रिवरफ्रंट के जरिये भविष्य के लिए नदियों की खोह में अवैध कब्जे को रोक देंने की सोच बनी और साथ ही जमीन का मालिकाना हक़ देकर और कुछ जमीनों को निकालकर उसको डेवलप कर वैकल्पिक मार्ग भी शहरों के अंदर बनाने की बात रही और उसके अलावा छोटे-छोटे मार्केट, काम्प्लेक्स, पार्क आदि भी डेवलप करने की कार्ययोजना बनाई गई। सपना पूरा हो पाता उससे पहले ही कांग्रेस सरकार चली गई, ये तीनों सोच पूरी तरीके से धराशायी हो गयी। भाजपा सरकार मलिन बस्तियों को कोर्ट का नाम लेकर उजाड़ने में तुली थी। खैर प्रतिरोध और कांग्रेस द्वारा पारित कानून को देखकर सरकार ने अपने हाथ पीछे खींच लिए। क्योंकि जो कानून विधानसभा में पारित था, या तो उसको निरस्त करना पड़ता और जब तक वो निरस्त नहीं होता, तब तक वो कानून प्रभावी माना जाता। कानून के रहते राज्य सरकार मलिन बस्तियों का ध्वस्तीकरण नहीं कर सकती थी।

चुनाव उत्तर प्रदेश में और भूचाल बिहार में !

उत्तर प्रदेश का चुनाव बिहार की राजनीति की धड़कनें बढ़ा रहा है। इसने न केवल सत्तारूढ़ भाजपा और जदयू के बीच तनाव पैदा कर दिया है, बल्कि जदयू की आतंरिक राजनीति को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार जायसवाल नीतीश सरकार पर उस तरह आक्रामक हो गए हैं, जो पहले कभी बिहार में देखा नहीं गया था। गिरिराज सिंह जैसे नेता जब कभी नीतीश और उनकी सरकार की आलोचना करते थे, तो नीतीश कुमार और उनके लोग भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व से उनकी शिकायत करते थे और प्राय- केन्द्रीय नेतृत्व गिरिराज सिंह का मुंह बंद करवा देते थे। गिरिराज सिंह के वे बयान निजी हैसियत से दिए जाते थे, क्योंकि वे किसी पार्टी पद पर नहीं थे।

संजय जायसवाल तो प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष हैं और उन्होंने एक मुद्दे पर नहीं, बल्कि कई मुद्दों पर नीतीश सरकार और उनकी पार्टी की आलोचना की। जब जदयू के अध्यक्ष ललन सिंह अशोक के मुद्दे पर अपनी राय और मांग को प्रधानमंत्री के ट्विटर एकाउंट से टैग कर रहे थे, तो भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जदयू नेता प्रधानमंत्री के साथ ट्विटर ट्विटर का खेल बंद करें। उसके पहले वे बिहार के लिए विशेष दर्जे की मांग की नीतीश सरकार की जिद का भी विरोध कर चुके हैं।

शराबबंदी के मसले पर तो अध्यक्ष जायसवाल ने विरोध में मुख्य विरोधी दल के नेता तेजस्वी यादव को भी पीछे छोड़ दिया। उनके लोकसभा क्षेत्र में विषाक्त शराब पीने से कुछ लोगों की मौत हुई थी। जायसवाल उनके परिवारों के बीच संवेदना व्यक्त करने गए थे और परिवारों को वित्तीय सहायता भी दी थी। जदयू के नेता जायसवाल की उस दरियादिली का विरोध कर रहे थे कि इससे शराबबंदी कानून के लागू करने में दिक्कत होती है। उनके कहने का मतलब था कि शराब पीकर मरने वालों के परिवार सहानुभूति के लायक नहीं हैं। कुछ दिन बाद ही नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में भी जहरीली शराब पीने से कुछ लोगों की मौत हुई। जायसवाल ने खुद नीतीश कुमार पर ताना मारा कि वे अब मृत लोगों के परिवारों को जेल में डाल दें।

जाति जनगणना के मसले पर भी भाजपा और जदयू में मतभेद बना हुआ है। नीतीश कुमार जाति जनगणना कराना चाहते हैं, लेकिन भाजपा करवाने नहीं दे रही है। वैसे बिहार विधानसभा के में भाजपा विधायकों ने जाति जनगणना के पक्ष में मतदान किया था और भाजपा के नेता सुशील मोदी कहते रहे हैं कि केन्द्र सरकार जाति जनगणना नहीं कराएगी और राज्य सरकार चाहे तो खुद करा ले। लेकिन भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व के इशारे पर बिहार भाजपा के नेता इसका विरोधकर कर रहे हैं।

घटनाओं को देखकर कोई कह सकता है कि वह बिहार का आंतरिक संघर्ष है और उसका उत्तर प्रदेश चुनाव से क्या लेना देना? लेकिन वास्तव में इन घटनाओं का उत्तर प्रदेश चुनाव से लेना देना है। उत्तर प्रदेश के चुनावी नतीजे आने के बाद बिहार में भाजपा क्या करेगी, उसकी पृष्ठभूमि तैयार की जा रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के 73 विधायक बन कर आए थे और जदयू के महज 43 विधायक। इस बात को भाजपा नहीं पचा पा रही है कि ज्यादा विधायक होने के बावजूद उसका मुख्यमंत्री वहां क्यों नहीं है।

लेकिन वह नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाए रखने के लिए विवश है, क्योंकि वह अपने दम पर बहुमत की संख्या नहीं प्राप्त कर सकती। उसे या तो भारी संख्या में जदयू और कांग्रेस के सांसदों को तोड़ना होगा या विधानसभा का चुनाव करवाकर बहुमत हासिल करना होगा। ऑपरेशन लोटस चलाकर भी भाजपा वहां अपनी सरकार बनवाती है, तो खाली सीटों पर हुए उपचुनावों में उसे अपने उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करवाना होगा। बिहार की जमीन पर वह नीतीश के साथ के बिना चुनाव जीत सकती है, इसका आत्मविश्वास उसके पास नहीं है, इसलिए वह नहीं चाहते हुए भी भाजपा को ढोने के लिए विवश है।

पहले भाजपा नेता पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजों का इंतजार कर रहे थे। यदि वहां भाजपा जीतकर अपनी सरकार बना लेती, तो वह बिहार में ऑपरेशन लोटस चलाकर अपनी सरकार बना सकती थी। बंगाल के जीत के बाद उसे आत्मविश्वास होता कि बिहार में भी वह नीतीश के बिना राजद को हरा सकती है। बंगाल में तो वह हार गई और नीतीश सरकार को जीवनदान मिल गया। अब वह उत्तर प्रदेश की ओर देख रही है। यदि वहां उसे भारी जीत मिलती है, तो फिर बिहार में वह तोड़-फोड़ की राजनीति कर अपनी सरकार बनाने की सोच सकती है और बिहार में भाजपा जिस तरह से नीतीश पर आक्रामक हो रही है, वह उसकी ही पृष्ठभूमि तैयार करने का प्रयास है। शराबबंदी को मुद्दा बनाकर भाजपा नीतीश सरकार से हाथ खींच सकती है।

उत्तर प्रदेश चुनाव ने जदयू की आंतरिक राजनीति को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है। जदयू कोटे से मोदी सरकार में मंत्री बने रामचन्द्र प्रसाद सिंह (आरसीपी सिंह) को नीतीश कुमार निपटाने में लग गए हैं। आरसीपी एक पूर्व नौकरशाह हैं, जो हैं तो बिहार के, लेकिन उत्तर प्रदेश के आईएएस कैडर में थे। वे नीतीश के स्वजातीय है।

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढ़कर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं। महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया।

भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं। अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढ़कर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं। भूखा प्यासा किसान फिर से बुद्ध के चरण छूकर प्रवचन सुनने बैठ गया। बुद्ध ने किसान की हालत देखी तो उसे भोजन कराया, फिर उपदेश देना शुरू किया।

टूटे हुए कांच के टुकड़ों का कुछ इस तरह से करें रियूज

अक्सर हम सभी टूटे हुए कांच के टुकड़ों को फेंक देते हैं। लेकिन अब जब भी आपको टूटे हुआ कांच मिले तो उसे फेंकने की बजाय उसका नए तरीके से इस्तेमाल करें। आप कांच के टुकड़ों से कई चीजें बना सकती हैं और पुरानी चीजों को नया लुक भी दे सकती हैं। जी हां, यह एक दम सच है। आज हम आपको बताएंगे कि आप टूटे हुए कांच के टुकड़ों से आप क्या-क्या बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इसके बारे में।

फ्रेम बनाएं

अगर आप टूटे कांच को फेंक देती हैं तो अगली बार ऐसा न करें क्योंकि आप टूटे हुए कांच से घर की दीवारों को सजा सकती हैं। जी हां, आप कांच के टूटे हुए टुकड़ों से एक बेहद ही सुंदर फ्रेम बना सकती हैं। यह फ्रेम आपके घर की दीवारों की खूबसूरती बढ़ाएगा। साथ ही कुछ सावधानियां बरतते हुए आप आसानी से कांच से फ्रेम बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इसे बनाने का तरीका।

आवश्यक सामान

- कैनवास
- कांच के टूटे हुए टुकड़ें
- फैब्रिक पेंट
- ग्लू

बनाने का तरीका

- कांच के टूटे हुए टुकड़ों से फ्रेम बनाने के लिए सबसे पहले आपको एक कैनवास चाहिए होगा। आप कैनवास का साइज अपने घर की दीवार के हिसाब से चुन सकती हैं।
- इसके बाद फ्रेम को अट्रैक्टिव लुक देने के लिए आपको कांच के टुकड़ों को पेंट करना होगा।
- कांच के टुकड़ों को अलग-अलग कलर्स से पेंट कर लें।
- पेंट करने के बाद उन्हें सूखने के लिए कुछ देर हल्की धूप में रख दें।
- जब कांच पर पेंट सूख जाएं इसके बाद व्हाइट कैनवास पर इन्हें ग्लू की मदद से चिपका लें।
- आप चाहें तो कांच के टुकड़ों को किसी पैटर्न में भी चिपका सकती हैं। इससे आपका फ्रेम मीनिंगफुल लगेगा
- लीजिए तैयार है आपका कांच के टुकड़ों से बना फ्रेम।

टेबल टॉप सजाएं

अगर आप फर्नीचर पुराना हो गया है तो आप अपने टेबल की टॉप को कांच के टुकड़ों से सजा सकती हैं। इससे आपके टेबल टॉप को नया लुक मिल जाएगा और अब आप दोबारा इसका इस्तेमाल कर पाएंगी। चलिए जानते हैं कैसे सजाएं कांच के टुकड़ों से टेबल टॉप को।

आवश्यक सामान

- कांच के टुकड़े
- ग्लू
- टेबल

बनाने का तरीका

- अगर आपका टेबल पुराना हो गया है तो उसे नया लुक देने के लिए आप कांच के टुकड़ों से टेबल के टॉप को सजा सकती हैं।
- इससे आपके टेबल को एक नया लुक मिलेगा।
- टेबल टॉप को सजाने के लिए सबसे पहले लकड़ी के टेबल पर ग्लू की मदद से कांच के टुकड़ों को चिपका लें।
- आप कांच के टुकड़ों को किसी भी तरीके से चिपका सकती हैं।
- लीजिए तैयार है आपका नया टेबल टॉप।

गमला सजाएं

अब आपको बाजार से मंहगे और सजावटी गमले खरीदने की जरूरत नहीं होगी क्योंकि अब आप बेहद ही कम पैसे खर्च करके आसानी से घर पर गमले को सजा सकती हैं। आप कांच के टुकड़ों से गमला भी सजा सकती हैं। इसके लिए बस आपको कोई पुराना गमला चाहिए होगा। चलिए जानते हैं इसे कैसे बनाया जाता है।

आवश्यक सामान

- गमला
- कांच के टुकड़े
- फ्रैबिक कलर्स
- ग्लू

बनाने का तरीका

- गमले को नया लुक देने के लिए सबसे पहले उसे अच्छे से साफ कर लें।
- इस बात का ध्यान रखें कि गमले के बाहरी हिस्से पर किसी भी प्रकार की गंदगी जमी नहीं होनी चाहिए।
- इसके बाद कांच के टुकड़ों को एक ही कलर से पेंट कर लें।
- एक ही रंग आपके गमले को और भी सुंदर बनाएंगे।
- पेंट करने और सूखने के बाद ग्लू की मदद से एक-एक करके कांच के टुकड़ों को गमले पर चिपका लें।
- इस प्रकिया को तब तक दोहराएं जब कि आप पूरे गमले पर कांच के टुकड़े नहीं चिपका लेती हैं।
- लीजिए तैयार है आपका खूबसूरत गमला।

इन बातों का रखें खास ध्यान

- आपको कांच के टुकड़ों को पकड़ने के लिए गलव्स का इस्तेमाल करना चाहिए।
- इन कांच से बनी चीजों को अपने बच्चों की पहुंच से दूर रखें।
- इस बात का ध्यान रखें कि जब आप कांच के टुकड़ों से चीजें बना रही हों तो आपके आस- पास लोग न हों।

आपके पसंदीदा रंग में छिपा है आपके व्यक्तित्व का राज

हर व्यक्ति का अपना पसंदीदा रंग होता है। पसंदीदा न होने पर भी, हर किसी की रंगों के लिए कुछ प्राथमिकताएं जरूर होती हैं। आमतौर पर हर कोई अपनी पसंद के रंग के हिसाब से ही कपड़े पहनता है। रंग का चुनाव ऐसा होता है जो आपके बारे में बहुत कुछ बताता है कि आप कैसे कार्य करते हैं, आपका व्यक्तित्व कैसा है, आपका स्वभाव कैसा है और दूसरे आपको कैसे देखते हैं। वैसे जरूरी नहीं है कि आपके व्यक्तित्व का रंग वही हो जो आप हमेशा पहनते हैं, यह आमतौर पर वह रंग होता है जो आपको सबसे ज्यादा उत्साहित करता है। लेकिन ये वास्तविकता है कि किसी भी व्यक्ति का पसंदीदा रंग उसके बारे में बहुत कुछ बयां करता है।

काला रंग

यदि आपको काला रंग पसंद है, तो इस बात की तरफ इशारा करता है कि आप स्वभाव से शर्मीले हैं लेकिन जब भी स्थिति की आवश्यकता हो, अपने मन की बात कहने में विश्वास करें। आप आसानी से निराश नहीं होते हैं और जीवन की हर बाधा को दूर करने का प्रयास करते हैं। आप शक्ति और नियंत्रण के लिए प्रयास करते हैं, आप अपनी बातों को गोपनीय रखने पर जोर देते हैं और किसी के सामने खुली किताब की तरह नहीं आते हैं। केवल करीबी दोस्त और रिश्तेदार ही जानते हैं कि आपके जीवन में क्या महत्वपूर्ण है। आप अपने आस-पास और अपने द्वारा की जाने वाली चीजों में भी निर्मलता बनाए रखना पसंद करते हैं।

लाल रंग

लाल रंग आमतौर पर खतरे का संकेत देता है। हालांकि, रंगों का अर्थ विभिन्न पहलुओं में अलग-अलग होता है। अगर आपको लाल रंग पसंद है तो बताता है कि आप बाहरी दुनिया को पसंद करने वाले स्वभाव के हैं। आप आसानी से दोस्त बना सकते हैं और अजनबियों से बात कर सकते हैं। आप अपना जीवन एक राजा या रानी की तरह जीने में विश्वास रखते हैं। आप बिना किसी डर के अपने सपनों (जानें सपनों का मतलब) को समर्पित रहते हैं और उनके पीछे भागते हैं। इतना ही नहीं आप हर हाल में अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करते हैं।

गुलाबी रंग

आपका व्यक्तित्व आकर्षक है और आप अपने आस-पास के लोगों को सहज महसूस कराते हैं। आप स्वभाव से भावुक हैं और अपनी भावनाओं का सामना करने से नफरत करते हैं। आप अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन को संतुलित बनाए रखना पसंद करते हैं क्योंकि आप दोनों को समान रूप से महत्व देते हैं। आप सपने देखने वाले स्वतंत्र उत्साही स्वभाव के व्यक्ति हैं।

नीला रंग

आपकी पसंद के रंग के हिसाब से ऐसा हो सकता है कि जब आप बहुत ही मधुर और मृदुभाषी दिखने की कोशिश करते हैं, तो लोगों को यह नहीं पता होता है कि आपके पास एक और पक्ष है जहां आप कठिन परिस्थितियों में अपने लिए खड़े हो सकते हैं। आप वफादार हैं और दोस्तों और परिवार के बहुत करीब हैं। आप स्वभाव से बहुत अधिक संवेदनशील भी हैं और नाटकीय परिस्थितियों को प्रोत्साहित नहीं करते हैं।

हरा रंग

यदि आपका पसंदीदा रंग हरा है तो आप एक स्वतंत्र उत्साही व्यक्ति हैं और जीवन में रोमांच का आनंद लेते हैं। आप एक अत्यंत सामाजिक, अविश्वसनीय, स्नेही और वफादार व्यक्ति हैं। हालांकि, आप अक्सर बेचैन रहते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप एक चतुर व्यक्ति हैं, जो व्यापार प्रवृत्तियों के बारे में सहज समझ रखते हैं।

सफेद रंग

आप हर चीज में अच्छाई देखना पसंद करते हैं। आप एक ऐसे व्यक्ति हैं जो लोगों को शांत कर सकते हैं और स्वयं शांत रहने में विश्वास करते हैं। आप अक्सर अपने शब्दों को सावधानी से चुनते हैं और हर कोई आपके बारे में बहुत कुछ नहीं जानता है। आप एक दयालु आत्मा हैं और लोगों की मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं, भले ही वे अजनबी क्यों न हों।

पीला रंग

यह परिभाषित करता है कि आप एक बहुत ही दिलकश स्वभाव के व्यक्ति हैं। आप आशावादी हैं और गलत होने वाली चीजों को छोड़ने से इंकार करते हैं। आप बहुत ज्यादा भरोसेमंद हैं और हमेशा जीवन के उज्जवल पक्ष को देखते हैं। आप गौरवशाली हैं और किसी भी जगह पर अपनी राय देने से डरते नहीं हैं। आपके व्यक्तित्व की वजह से लोग आपकी कंपनी पसंद करते हैं।

पर्पल कलर

आप एक कहानीकार हैं और दूसरे लोगों के विचार और राय सुनना पसंद करते हैं। आप स्वभाव से होशियार और मजाकिया हैं। आपको लोगों को सलाह देना पसंद है और आप इसे अपने दिल से पसंद करते हैं। आप स्वभाव से स्वतंत्र हैं और अपने आप में ऐसी क्षमता रखते हैं जो आपको दूसरों से अलग बनाती है।

इस तरह आपके पसंद के रंगों से आपके व्यक्तित्व का पता लगाया जा सकता है। हालांकि ये एक सामान्य अवधारणा है और हर एक व्यक्ति के हिसाब से अलग प्रभाव डालती है।

बच्चे का हौसला बनें

सारा साल पढ़ाई स्कूल जाने के बाद बच्चों में जहां फाइनल एग्जाम का डर बना रहता है, वहीं इस बात की खुशी भी होती है कि वह नई क्लास में जाने वाले हैं। इसी के साथ पेरेंट्स को यह परेशानी सताती है कि कहीं इस बार पढ़ाई में उनके बच्चे के आगे कोई और स्टूडेंट न निकल जाए। अव्वल आने की इस होड़ में पेरेंट्स द्वारा बनाया गया दवाब उनके लिए मानसिक परेशानी बन जाता है। ऐसे में बच्चो को डांट-फटकार कर पढ़ाने की बजाए उनकी प्रॉब्लम को समझने की जरूरत है। कई बार तो कुछ पेरेंटस बच्चों को न पढ़ने पर सजा भी देते हैं, जो कि बिल्कुल गलत बात है। मनोविज्ञानिक भाषा में इस समस्या को एंग्जाइटी डिसऑर्डर कहते हैं। बच्चे को इसमें धकेलने की बजाए इससे निकालने की कोशिश करें।

एंग्जाइटी डिसऑर्डर

बहुत से बच्चों में यह समस्या देखने को मिलती है। इस समस्या के कारण उनका स्वभाव बहुत ही चिड़चिड़ा हो जाता है, जिसके कारण वह जो कुछ भी परीक्षा के लिए याद करते है वह सब कुछ भूल जाते हैं। फेल होने का डर, आत्मविश्वास में कमी भी इसी समस्या की निशानी है। कई बार तो तनाव से ग्रसित बच्चे घर से स्कूल के लिए निकल जाते हैं लेकिन स्कूल पहुंचते ही नहीं। इसी वजह से कुछ बच्चे गलत संगत में भी फंस जाते हैं। ऐसे में माता-पिता को उसे डांट कर पढ़ाने की बजाए प्यार से समझाने की जरूरत है। पढ़ाई में आने वाली मुश्किलों के लिए डांटें नहीं बल्कि उनकी मदद करें। इन तरीकों से तनाव रहित कर सकते हैं।

टाइम-टेबल को दें अहमियत

अगर आप चाहते है कि आपके बच्चे परीक्षा के दिनों में घबराएं नहीं तो आप शुरू में ही उनकी पढ़ाई का टाईम-टेबल बनाएं ताकि समय रहते उनका पाठ्यक्रम पूरा कर सकें। जिससे बाद में उन्हें स्लेबस दोहराने का भी टाईम मिल जाए। इसे अपनाने से उन्हें परीक्षा के दिनों में किसी तरह का डर नहीं रहेगा और वह जो भी याद करेंगे, उसे कभी भी भूलगा नहीं।

पेपर पैटर्न को समझना जरूरी

एग्जाम में बैठने से पहले बच्चों को पेपर का तरीका समझने की बहुत जरूरत होती है। इससे बच्चे को किसी तरह की कंफ्यूजन नहीं रहेगी। ऐसे में आप बच्चे को पिछली बार का पैटर्न पेपर हल करने को दें। इस से भी उनका तनाव बहुत कम होगा। फाइनल परीक्षा में उसे किसी तरह की घबराहट नहीं होगी।

परीक्षा में जाने से पहले

डेट शीट आ जाने पर खुद भी बच्चे के साथ कमर कस लें। उसे पौष्टिक आहार खिलाएं ताकि किसी तरह की कमजोरी उसके प्रदर्शन में बाधा न बने। दूध, ड्राई फ्रूट, दहीं, सूप, सलाद आदि बैस्ट हैं। उस पर किसी तरह का दवाब न डालें, कुछ भी नया पढ़ाने की कोशिश न करें। ऐसा करने से वह पहला पढ़ा भी भूल सकता है। पढ़ाई के अलावा थोड़ा हंसी-मजाक, गेम्स या फिर उसका फेवरेट प्रोग्राम भी देखने को दें लेकिन इसका समय सीमित होना बहुत जरूरी है। इससे वह परीक्षा अच्छे से दे पाएगा।

परीक्षा शुरू होने पर

सबसे पहले परीक्षा में वहीं प्रश्न का जबाव देने की सलाह दें जो उन्हें अच्छी तरह से आता हो। बच्चें प्रश्न पत्र को पढ़ने में हड़बड़ी न करें। अगर आपको किसी प्रश्न का जबाव नहीं आता। उस पर उलझे रहने की बजाए अगले सवाल को हल करें। सारा पेपर हल करने पर इसे जमा करने से पहले एक बार जांच लें। समय सीमा के बारे में बच्चे को बताना भी बहुत जरूरी है।

साड़ी के साथ स्टाइल की जा सकती हैं यह डिफरेंट स्टाइल बेल्ट

अगर आप एक सिंपल तरीके से साड़ी को पहन रही हैं और उसमें भी अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसके साथ बेल्ट को स्टाइल करें। साड़ी के साथ बेल्ट का चलन पिछले कुछ समय से काफी बढ़ गया है। जिसके कारण आप कई तरह की बेल्ट्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं।

साड़ी हमेशा ही भारतीय महिलाओं के स्टाइल का एक अहम हिस्सा रही है। चाहे घर हो या ऑफिस, महिलाएं इसे हर जगह पहनना पसंद करती हैं। साड़ी आउटफिट के साथ सबसे अच्छी बात यह है कि आप इसे कई अलग-अलग तरीकों से बेहद आसानी से स्टाइल कर सकती हैं और इस तरह आपको हर बार एक न्यू लुक मिलता है। हालांकि, अगर आप एक सिंपल तरीके से साड़ी को पहन रही हैं और उसमें भी अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसके साथ बेल्ट को स्टाइल करें। साड़ी के साथ बेल्ट का चलन पिछले कुछ समय से काफी बढ़ गया है। जिसके कारण आप कई तरह की बेल्ट्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। तो आज हम आपको कुछ ऐसी बेल्ट्स के बारे में बता रहे हैं, जो साड़ी के साथ बेहद अच्छी लगती हैं और आप भी उसे आसानी से कैरी कर सकती हैं।

लेदर बेल्ट

अगर आप एक स्टाइल एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं तो ऐसे में आप लेदर बेल्ट को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं। आमतौर पर, लेदर बेल्ट को जींस या पैंट सूट के साथ पेयर किया जाता है। लेकिन अगर आप साड़ी में अपने स्टाइल को यूनिक बनाना चाहती हैं तो लेदर बेल्ट को स्टाइल करें। हालांकि, लेदर बेल्ट को साड़ी के साथ पहनते समय ध्यान दें कि आपकी साड़ी का कलर भी थोड़ा लाइट ही हो।

वाइड बेल्ट

अगर आप अपनी बेल्ट को ही अपने ओवर ऑल लुक में सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बनाना चाहती हैं तो ऐसे में आप एक वाइड बेल्ट को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। साड़ी के साथ वाइड बेल्ट देखने में काफी अच्छी लगती हैं। इन वाइड बेल्ट में आप मैचिंग बेल्ट से लेकर एंब्रायडिड बेल्ट का ऑप्शन चुन सकती हैं।

मैचिंग बेल्ट

यह एक ऐसा लुक है, जो अमूमन महिलाओं को इन दिनों काफी पसंद आ रहा है। इस लुक में आप अपनी साड़ी से मैचिंग बेल्ट को स्टाइल करें। आमतौर पर, इस लुक में आपकी साड़ी से मैचिंग ब्लाउज होता है और उसी मैचिंग फैब्रिक व कलर की बेल्ट को आप साथ में स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह आपको बेल्ट में एक सटल लुक मिलता है, जो देखने में काफी अच्छा लगता है।

एंब्रायडिड बेल्ट

अगर आप किसी पार्टी के लिए रेडी हो रही हैं तो ऐसे में आप एंब्रायडिड बेल्ट के ऑप्शन को चुन सकती हैं। यह बेल्ट आपके लुक को बेहद स्टनिंग बनाता है। इस बेल्ट की मदद से एक सिंपल साड़ी को भी डिजाइनर लुक दे सकती हैं। आप चाहें तो फ्रिल साड़ी के साथ भी एंब्रायडिड बेल्ट को स्टाइल कर सकती हैं।

थिन सिल्वर बेल्ट

यह आपको एक बेहद ही एलीगेंट लुक देता है। इस लुक में आप प्लेन साड़ी के साथ भी थिन सिल्वर बेल्ट को स्टाइल कर सकती हैं। इसे आप केजुअल्स से लेकर पार्टी तक में आसानी से कैरी कर सकती हैं। इस बेल्ट की खासियत यह है कि इसे किसी भी तरह की साड़ी के साथ आसानी से स्टाइल किया जा सकता है।

ब्लैक बेल्ट

अगर आप एक ऐसी बेल्ट की तलाश में हैं जो हर तरह की साड़ी के साथ जचे तो ऐसे में आप ब्लैक बेल्ट को अपनी साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती हैं। आप ब्लैक बेल्ट में भी डिफरेंट स्टाइल के ऑप्शन को चुन सकती हैं। खासतौर से, रेड कलर साड़ी के साथ ब्लैक बेल्ट बेहद ही स्टनिंग लुक देती है।

पहली बार कई दिग्गज नेताओं के बिना हो रहा है यूपी चुनाव

-अटल, कल्याण, टंडन, अमर सिंह, अजीत, मुलायम की अब फोटो दिखते हैं

नई दिल्ली। यूपी विधानसभा चुनाव के लिए 7 चरणों में चुनाव होने हैं। उत्तर प्रदेश में विधानसभा की 403 सीटें हैं। 10 मार्च को नतीजे भी आ जाएंगे। मुख्य मुकाबला भाजपा और सपा के बीच होता दिख रहा है। सीएम योगी के सामने जहां भाजपा को दोबारा सत्ता में लाने की चुनौती है तो वही अखिलेश यादव भी सामाजिक समीकरणों को साधने में लगे हैं। बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस भी उत्तर प्रदेश में अपना चुनावी दमखम दिखाने की कोशिश कर रही है। बसपा का दावा है कि उसकी सरकार बनने जा रही है। वहीं, प्रियंका गांधी महिलाओं को साध कर उप्र में कांग्रेस को मजबूत करने की कोशिश में हैं। लेकिन इस बार का उत्तर प्रदेश चुनाव कई दिग्गज नेताओं की गैरमौजूदगी में हो रहा है। वैसे तो अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री रहे हैं उनका रिश्ता उत्तर प्रदेश से ज्यादा रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी का परिवार उत्तर प्रदेश का ही रहने वाला था। इसके अलावा अटल बिहारी वाजपेयी पहली बार बलरामपुर से ही लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद बने थे। वाजपेयी जब देश के प्रधानमंत्री थे तो वह लखनऊ से ही सांसद थे। लखनऊ से उनका जुड़ाव बेहद करीब कर रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी का निधन 16 अगस्त 2018 को हुआ था। कल्याण सिंह उत्तर प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री रहे हैं। उत्तर प्रदेश में पहली दफा भाजपा को सत्ता में लाने में कल्याण सिंह की भूमिका काफी अहम मानी जाती रही है। कल्याण सिंह उत्तर प्रदेश में भाजपा के बड़े ओबीसी नेता थे। बाबरी विध्वंस के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। राम मंदिर आंदोलन में कल्याण सिंह की भूमिका काफी अहम रही है और उनकी पहचान हिंदूवादी नेता के तौर पर भी रही है। कल्याण सिंह 2009 से 2014 तक सांसद भी रहे हैं। केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद उन्हें राजस्थान का राज्यपाल बनाया गया था। कल्याण सिंह का निधन 21 अगस्त 2021 को हुआ था। उत्तर प्रदेश में लालजी टंडन भाजपा के बड़े नेता रहे हैं। लालजी टंडन अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी के करीबी नेताओं में से भी एक रहे हैं। लखनऊ और उसके आसपास के क्षेत्रों में उनकी लोकप्रियता भी खूब रही है। वह उत्तर प्रदेश विधानसभा के दोनों सदनों के सदस्य रहे हैं और मायावती की सरकार में मंत्री भी रहे हैं। 2003 से 2007 तक वह उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता विपक्ष भी रहे हैं। इसके अलावा 2009 में उन्होंने लखनऊ से लोकसभा चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी। लालजी टंडन बिहार और मध्य प्रदेश के गवर्नर भी रह चुके हैं। लालजी टंडन का निधन 21 जुलाई 2020 को हुआ था। समाजवादी पार्टी के उदय के साथ ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में अमर सिंह का भी दबदबा बढ़ता गया। समाजवादी पार्टी की राजनीति में अमर सिंह ठाकुरों के बड़े नेता माने जाते थे। जब तक मुलायम सिंह यादव का समाजवादी पार्टी में दबदबा रहा तब तक अमर सिंह की भी तूती बोलती थी। समाजवादी पार्टी से अलग होने के बाद भी उन्होंने उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपनी सक्रियता दिखाई।

संपत्ति नष्ट न करें, शिकायतें हल करेंगे: रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

-तोड़फोड़ के बाद रेल मंत्रालय ने परीक्षाओं को स्थगित कर दिया था

नई दिल्ली। रेलवे द्वारा भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर उम्मीदवारों के उपद्रव के बीच रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों से सार्वजनिक संपत्ति नष्ट नहीं करने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि उनकी शिकायतों का हल की जाएंगी। इससे पहले देश के विभिन्न हिस्सों से नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों द्वारा तोड़फोड़ की खबर के बाद रेल मंत्रालय ने गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियों (आरआरबी एनटीपीसी) और स्तर 2 परीक्षाओं को स्थगित कर दिया था। मंत्री ने कहा, ''मैं उम्मीदवारों से कहना चाहूंगा कि यह उनकी अपनी संपत्ति है। वे अपनी ही संपत्ति को क्यों नष्ट कर रहे हैं हालांकि, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान होने पर अधिकारी उचित प्रक्रिया का पालन करेंगे। रेल मंत्री की टिप्पणी बिहार और उत्तर प्रदेश में नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों के हिंसक विरोध के बाद आई है। वैष्णव ने कहा कि रेलवे मुख्यमंत्रियों के संपर्क में है और इस मुद्दे के साथ 'संवेदनशीलता' से निपटा जा रहा है। रेल मंत्री ने कहा, ''मैं उम्मीदवारों से अपनी शिकायतों को औपचारिक रूप से सामने रखने का आग्रह करता हूं। हमारा इरादा इस मुद्दे को जल्दी से हल करने का है। एक समिति बनाई गई है और यह उम्मीदवारों के आवेदनों पर गौर करेगी।'' बिहार में प्रदर्शन के तीसरे दिन एक यात्री ट्रेन में आग लगा दी गई और एक पर पथराव किया गया। वैष्णव ने कहा, ''मैं छात्रों से कानून को अपने हाथ में नहीं लेने का अनुरोध करता हूं। हम उनकी शिकायतों और चिंताओं को गंभीरता से लेंगे।

बुद्धदेब भट्टाचार्य ने किया था पद्म अवॉर्ड लेने से इनकार

-सम्मानित शख्सियतों की चयन प्रक्रिया विवाद हुआ खड़ा

नई दिल्ली। पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेब भट्टाचार्य ने पद्म पुरस्कार के लिए सम्मानित शख्सियतों की चयन प्रक्रिया पर विवाद खड़ा हुआ। उन्होंने कहा पद्म सम्मान के लिए उनका चयन करने से पहले उन्हें इसकी सूचना नहीं दी गई। पद्म अवॉर्ड को लेकर एक और शख्स %विशेष% चर्चा में हैं- कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने उनकी यह कहकर तीखी आलोचना की कि उन्होंने बुद्धदेब भट्टाचार्य जैसा %साहस% नहीं दिखाया। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि जिन्हें भी पद्म पुरस्कार के लिए चयनित किया जाता है, उनसे औपचारिक सहमति मांगना अनिवार्य नहीं है। हालांकि, आम तौर पर नाम की घोषणा से पहले अनौपचारिक तौर पर उस व्यक्ति का मन टटोला जाता है। दावा है कि केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने मंगलवार को बुद्धदेब भट्टाचार्य को फोन किया था। उनकी पत्नी ने फोन उठाया तो उन्हें यह बता दिया गया था कि केंद्र सरकार ने भट्टाचार्य का नाम पद्म पुरस्कार के लिए चयनित किया है। भट्टाचार्य की पार्टी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के सूत्रों ने भी स्वीकार किया उनके नेता की पत्नी मीरा की केंद्रीय गृह सचिव से बात हुई है।

ओमीक्रोन जनित प्रतिरोधक क्षमता डेल्टा के खिलाफ असरदार

नई दिल्ली। कोरोना के ओमीक्रोन से संक्रमित व्यक्ति में प्रभावी प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो जाती है, जो ना केवल ओमीक्रोन बल्कि डेल्टा के अन्य प्रकारों को भी बेअसर कर सकती है। यह बात आईसीएमआर की ओर से किए गए एक अध्ययन में कही गई है। अध्ययन रिपोर्ट में बताया गया है कि ओमीक्रोन जनित प्रतिरोधक क्षमता वायरस के डेल्टा प्रकार को बेअसर कर सकती है। इससे डेल्टा से दोबारा संक्रमित होने की आशंका बहुत कम हो जाती है। इससे संक्रमण फैलाने के लिहाज से डेल्टा का प्रभुत्व खत्म हो जाएगा। हालांकि रिपोर्ट में ओमीक्रोन को लक्ष्य करके टीका बनाने पर जोर दिया गया है। यह अध्ययन कुल 39 लोगों पर किया गया जिनमें से 25 लोगों ने एस्ट्राजेनेका के कोरोनारोधी टीके की दोनों खुराक ली थी, जबकि आठ लोगों ने फाइजर के टीके की दोनों खुराक ली थी और छह ने कोई कोरोना रोधी टीका नहीं लगवाया था। इसके अलावा 39 में से 28 लोग यूएई, अफ्रीकी देशों, मध्य एशिया, अमेरिका और ब्रिटेन से लौटे थे, जबकि 11 लोग उच्च जोखिम युक्त संपर्क में थे। ये सभी लोग ओमीक्रोन से संक्रमित थे। अध्ययन में मूल कोरोना से दोबारा संक्रमण पर आईजीजी एंटीबॉडी और न्यूट्रलाइजिंग एंटीबॉडी (एनएबी) प्रतिक्रिया का अध्ययन किया गया।

(अहमदाबाद) गिर सोमनाथ जिले में 11 लाख पेड़ लगाने के सोमनाथ ट्रस्ट के संकल्प में सहभागी बने मुख्यमंत्री

न्यूज ब्रीफ

उत्तराखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष किशोर उपाध्याय भाजपा में शामिल

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष किशोर उपाध्याय गुरुवार को भाजपा में शामिल हो गए। कुछ ही समय पहले कांग्रेस ने उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में प्राथमिक सदस्यता से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। भाजपा के चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में उपाध्याय ने यहां पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

शिवसेना ने आजाद को पद्म भूषण देने को लेकर हुए विवाद को गलत बताया

नई दिल्ली । कांग्रेस की एक प्रमुख सहयोगी शिवसेना ने सरकार द्वारा प्रदान किए गए पद्म भूषण पुरस्कार स्वीकार करने को लेकर गुलाम नबी आजाद को उनकी ही पार्टी (कांग्रेस) के नेताओं के एक वर्ग द्वारा निशाना बनाने की कोशिश को बुधवार को नामंजूर कर दिया। शिवसेना की राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्विटर पर कहा कि राष्ट्रीय सम्मान अस्वीकार करने पर किसी को आजाद बताना और स्वीकार करने पर गुलाम बताना, प्रदर्शित करता है कि राष्ट्रीय सम्मान के प्रति किसी के विचार कितने सतही हैं। कांग्रेस छोड़ कर शिवसेना में शामिल हो चुकी चतुर्वेदी ने कहा कि यह ना तो पहली बार और ना ही आखिरी बार है कि विपक्षी नेताओं को उनके कार्य को लेकर मान्यता दी जाएगी, कृपया गरिमा बनाए रखें।

श्रीनगर में गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि राज्यपाल के सलाहकार एन एन भटनागर रहे।

आरोपों पर ट्विटर ने कहा-हम किसी के फॉलोअरों की संख्या नहीं घटाते

-ट्विटर ने ट्विटर की नीतियों पर गौर करने की सलाह दी

नई दिल्ली। ट्विटर ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के आरोपों के जवाब में ट्विटर की नीतियों पर गौर करने की सलाह दी है। ट्विटर सीईओ पराग अग्रवाल को लिखी चिट्ठी के जवाब में कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि फॉलोअरों की संख्या सार्वजनिक होती है और ट्विटर इससे कोई छेड़छाड़ नहीं करता है। राहुल ने 27 दिसंबर को चिट्ठी लिखकर आरोप लगाया था कि ट्विटर मोदी सरकार के दबाव में आकर उनके फॉलोअरों की संख्या बढ़ने नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि किसी ट्विटर हैंडल के फॉलोअर्स की संख्या घटना-बढ़ना आम बात है। ट्विटर की के बायान में कहा गया है, %किसी ट्विटर हैंडल के कितने फॉलोअर हैं, यह सबको दिखता है। हम सबको विश्वास दिलाना चाहते हैं कि संख्या सार्थक और सटीक हैं। ट्विटर किसी तरह की छेड़छाड़ और अवांछित गतिविधि बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करता है। हम रणनीतिक तौर पर इसका सामना करते रहते हैं। राहुल ने ट्विटर को चिट्ठी लिखकर शिकायत की है कि उन्हें इस माइक्रोब्लॉगिंग प्लैटफॉर्म पर नए फॉलोवर नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने इसके लिए ट्विटर पर भारत सरकार का दबाव होने की बात कही। राहुल ने कहा कि अगस्त 2021 में उनका ट्विटर अकाउंट थोड़ी देर के लिए ब्लॉक हुआ था, तब से फॉलोअर्स के मामले में सारी गतिविधि जैसे थम सी गई है। राहुल गांधी ने ट्विटर सीईओ पराग अग्रवाल को लिखा, %यह सुनिश्चित करने की आपकी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि ट्विटर भारत में तानाशाही को जड़ जमाने में सक्रिय मदद नहीं करे।% केरल के वायनाड से कांग्रेस सासंद ने ट्विटर को अपनी शिकायत के समर्थन में जो डीटेल्स दिए, उनमें उन्होंने कहा कि हर महीने 2.3 लाख से भी ज्यादा की रफ्तार से नए-नए फॉलोअर उनसे जुड़ रहे थे जो किसी-किसी महीने में तो 6.5 लाख तक पहुंच गए थे। हालांकि, अगस्त 2021 से उनके नए फॉलोवर्स की संख्या बहुत ज्यादा गिर गई और वह सिर्फ 2,500 प्रति माह की दर पर आ गई है। इस तरह, उनके 1.95 करोड़ फॉलोअर्स की संख्या में इजाफा हो ही नहीं रहा है।

नासा के अंतरिक्ष यात्रियों के लिए खाना बनाने पर 7.5 करोड़ का इनाम!

- नासा की शर्त के मुताबिक खाना पौष्टिक गुणों के साथ लंबे समय तक टिका रहना चाहिए

वॉशिंगटन । अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अंतरिक्षयात्रियों के लिए पौष्टिक खाना बनाने पर 1 मिलियन डॉलर के इनाम का ऐलान किया है। लेकिन शर्त यह है कि यह खाना अपने पौष्टिक गुणों के साथ लंबे समय तक टिका रहना चाहिए। नासा अपने डीप स्पेस मिशन पर जाने वाले अंतरिक्ष यात्रियों के लिए भोजन की समस्या से जूझ रही है। अभी तक बनाए गए सभी पैक्ड फूड बहुत की कम दिनों में अपनी पौष्टिकता खो देते हैं। ऐसे में अगर लंबे समय तक टिका रहने वाला खाना मिल जाता है तो मंगल जैसे दूर स्थित ग्रहों तक अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने में सहूलियत मिलेगी। नासा ने इस प्रतियोगिता को पहले भी आयोजित किया था, लेकिन आपेक्षित परिणाम न मिलने के कारण इसे दोबारा शुरू किया गया है। अब नासा और कनाडा की अंतरिक्ष एजेंसी एक साथ मिलकर कई वर्षों तक टिके रहने वाले भोजन को खोजने पर 1 मिलियन डॉलर के इनाम की घोषणा की है। भारतीय रुपए में यह धनराशि लगभग 7.5 करोड़ रुपए बनती है। नासा ने कहा कि डीप स्पेस फूड चैलेंज के प्रतिभागियों से अपेक्षा की जाती है कि वे फूड प्रॉडक्शन टेक्नोलॉजी और सिस्टम्स पर अपने नवीन विचारों को प्रस्तुत करेंगे। यह न केवल स्वादिष्ट, टिकाऊ होनी चाहिए, बल्कि इसको बनाने के लिए न्यूनतम संसाधनों की आवश्यकता होगी चाहिए। इस खाने का ज्यादातर हिस्सा शरीर में घुल जाना चाहिए। नासा चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों और आम लोगों को भेजने की योजना बना रही है। इसके लिए प्रारंभिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष मिशन में इस्तेमाल होने वाले खाने का ही उपयोग किया जाएगा। लेकिन समय के साथ चंद्रमा पर ऐसे खाने की बार-बार आपूर्ति करने की जरूरतें बढ़ेगी। इसके लिए कोई ऐसी खाद्य समाग्री चाहिए, जो एक बार बनाने के बाद लंबे समय तक अंतरिक्ष यात्रियों का पेट भर सके। ऐसे में धरती से बार-बार रॉकेट से सामान भेजने की आवश्यक्ता नहीं होगी। नासा के अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी मिशन निदेशालय के सहयोगी प्रशासक जिम रेउटर ने कहा कि खाद्य प्रौद्योगिकी की सीमाओं को आगे बढ़ाने से भविष्य के खोजकर्ता स्वस्थ रहेंगे और यहां तक कि घर पर लोगों को खिलाने में भी मदद मिल सकती है।

नासा 2035 तक मंगल ग्रह पर इंसानों को भेजने की तैयारियों में जुटी है। धरती से लगभग 23 करोड़ किलोमीटर दूर स्थित मंगल तक इंसानों को पहुंचाना नासा के लिए अब भी चुनौती बना हुआ है।

(फोटो-ईएमएस) बैंकाक में चिकित्सा कर्मी कोविड-19 जांच के लिए लोगों से नमूने लेते हुए।

न्यूज ब्रीफ

ऑलराउंडर के तौर पर ही खेलना चाहते हैं पंड्या

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने कहा है कि अब वह फिट हैं और टीम में वापसी के लिए तैयार हैं। हार्दिक के अनुसार वह ऑलराउंडर के तौर पर ही खेलना चाहते हैं। हार्दिक सर्जरी के कारण पिछले काफी समय से टीम इंडिया से बाहर हैं। वह पिछले दिनों रिहैबिलिटेशन के लिए एनसीए में भी शामिल थे। आईपीएल के साल 2022 सत्र के लिए उन्हें अहमदाबाद टीम की कप्तानी मिली है। उन्होंने कहा कि वे अभी अच्छा महसूस कर रहे हैं। भारतीय टीम अगले महीने वेस्टइंडीज से टी20 और वनडे सीरीज खेलेगी और उसमें देखना होगा की इस ऑलराउंडर को टीम में जगह मिलती है या नहीं। पंड्या के अनुसार वह बतौर ऑलराउंडर ही टीम इंडिया की ओर से खेलना चाहते हैं। मेरी तैयारी भी वैसी ही है। अभी मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं. समय बताएगा कि मेरी फिटनेस कैसी है।

टीके के बिना भी फ्रेंच ओपन खेल सकेंगे जोकोविच

पेरिस । टीकाकरण नहीं होने के कारण ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस नहीं खेल पाये सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच को बड़ी राहत मिली है। फ्रांस सरकार के नये कोरोना टीकाकरण के कारण अब विश्व के इस नंबर एक खिलाड़ी को टीका नहीं लगवाने के बिना भी मई में फ्रेंच ओपन खेलने में परेशानी नहीं आयेगी। जोकोविच को ऑस्ट्रेलिया के कड़े कोरोना टीकाकरण नियमों का पालन नहीं करने के कारण ऑस्ट्रेलियाई ओपन खेलने की अनुमति नहीं मिली थी और उन्हें निर्वासित भी कर दिया गया था। शुरू में ऐसा लग रहा था कि वह फ्रेंच ओपन भी नहीं खेल सकेंगे क्योंकि फ्रांस में एक नए कानून में भी ऐसे लोगों को स्टेडियम, रेस्त्रां, बार या अन्य सार्वजनिक जगहों पर प्रवेश की अनुमति नहीं है जिन्होंने कोरोना का टीका नहीं लगवाया है। फ्रांस के खेलमंत्री रोक्साना एम ने कहा है कि जैसे ही कानून पास हो जाएगा, टीकाकरण पास हर सार्वजनिक स्थान पर प्रवेश के लिए अनिवार्य होगा। यह दर्शकों, फ्रेंच या विदेशी पेशेवरों पर भी लागू होगा। सोमवार से लागू हुए इस कानून के तहत पिछले छह महीने में कोरोना संक्रमित होने का सबूत देने वाले व्यक्ति को इस पास को दिखाने की जरूरत नहीं रहेगी। इससे साफ हैं कि जोकोविच मई जून में फ्रेंच ओपन खेल सकते हैं क्योंकि वह दिसंबर के मध्य में संक्रमित हुए थे।

मेदवेदेव और सिटसिपास ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

मेलबर्न । रुस के टेनिस स्टार दानिल मेदवेदेव ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी मेदवेदेव ने क्वार्टर फाइनल में पहले दो सेट हारने के बाद अच्छी वापसी करते हुए अंतिम चार में जगह बनायी। वहीं यूनान के स्टेफनोस सिटसिपास भी एक अन्य मुकाबले में जीत के साथ ही सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। अब सेमीफाइनल में इन दोनो के बीच टक्कर होगी। पहले क्वार्टर फाइनल में मेदवेदेव ने नौवीं वरीयता प्राप्त फेलिक्स आगर एलियास्सिमे को 6-7 (4), 3-6, 7-6 (2), 7-5, 6-4 से हराया। आगर एलियास्सिमे पहले दो सेट में आगे होने के

बाद तीसरे सेट के टाई ब्रेकर में केवल दो अंक ही हासिल कर पाए और फिर उन्होंने चौथे सेट के 10वें गेम में मेदवेदेव की सर्विस पर मैच अंक खो दिया। रूसी खिलाड़ी ने इसके बाद आगर एलियास्सिमे की सर्विस तोड़ दी जिससे मैच बराबरी पर आ गया। मेदवेदेव ने निर्णायक सेट के तीसरे गेम में ब्रेक अंक हासिल किया और फिर यह सेट और मैच जीत लिया। वहीं दूसरे क्वार्टर फाइनल में सिटसिपास ने 11वीं रैंकिंग वाले यानिक सिनेर को 6-3, 6-4, 6-2 2 से हराया। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर कायम सिटसिपास का ग्रैंडस्लैम क्वार्टर फाइनल में रिकॉर्ड 5-0 का है हालांकि सेमीफाइनल में वह केवल एक बार ही जीते हैं। वहीं महिला वर्ग में इगा स्वियातेक ने केइया कानेपी को 4-6, 7-6 (2), 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी। अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला डेनियेले कोलिंस से होगा।

रोहित की कप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ उतरेगी भारतीय टीम

-बिश्नोई, हर्षल और हुड्डा भी शामिल

-बुमराह और शमी को आराम

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनसमिति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए 18 सदस्यीय टीम घोषित की है। कप्तान रोहित शर्मा की टीम में वापसी हुई है जबकि युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई, तेज गेंदबाज हर्षल पटेल और ऑलराउंडर दीपक हुड्डा को भी टीम में शामिल किया गया है। स्पिनर कुलदीप यादव की भी लंबे समय बाद एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में वापसी हुई है। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 6 अक्टूबर से अहमदाबाद जबकि टी20 सीरीज 16 फरवरी से कोलकाता में खेली जाएगी। चोट के कारण दक्षिण अफ्रीकी दौरे से बाहर रहे रोहित शर्मा टीम की कप्तानी करेंगे। पूर्व कप्तान विराट कोहली भी टीम में शामिल हैं। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और रविंद्र जडेजा को फिट नहीं होने के कारण आराम दिया गया है।

बीसीसीआई ने यहां जारी एक बयान में कहा, ' बुमराह और शमी को आराम दिया गया है जबकि लोकेश राहुल दूसरे एकदिवसीय से टीम से जुड़ेंगे। जडेजा घुटने की चोट से अभी नहीं उबरे हैं, इसलिए उनके नाम पर विचार नहीं हुआ।% वहीं ऑलराउंडर वेंकटश अय्यर को दक्षिण अफ्रीका में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं करने के कारण एकदिवसीय टीम में जगह नहीं मिली है। उनकी जगह ऑलराउंडर दीपक हुड्डा को टीम में रखा गया है। वेंकटेश को हालांकि टी20 टीम में रखा गया है। युवा वाशिंगटन सुंदर ने भी चोट से उबरने के बाद एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए वापसी की है जबकि अक्षर पटेल टी20 श्रृंखला में ही खेलेंगे।

बिश्नोई को सीमित ओवरों की दोनों टीम में जगह मिली है। भुवनेश्वर कुमार को टी20 टीम में बरकरार रखा गया है पर उन्हें एकदिवसीय टीम से बाहर कर दिया गया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच छह, नौ और 11 फरवरी को जबकि टी20 मैच 16, 18 और 20 फरवरी को खेले जाएंगे। कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए केवल दो शहरों में ही यह सीरीज खेली जाएगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

एकदिवसीय टीम = रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), रुतुराज गायकवाड़, शिखर धवन, विराट कोहली, सूर्य कुमार यादव, श्रेयस अय्यर, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आवेश खान

टी20 टीम = रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), ईशान किशन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्य कुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, रवि बिश्नोई, अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल, वाशिंगटन सुंदर, मो. सिराज, भुवनेश्वर कुमार, आवेश खान और हर्षल पटेल।

स्पिनर रवि बिश्नोई ने क्रिकेट के लिए छोड़ी थी 12वीं की परीक्षाएं

नई दिल्ली । युवा स्पिनर रवि बिश्नोई को वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय और टी-20 सीरीज के लिए टीम इंडिया में जगह मिल गयी है। रोहित शर्मा की कप्तानी में यह लेग स्पिनर अपने इस घरेलू सीरीज से अपने अंतराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करेगा। बिश्नोई के लिए चयन इसलिए भी अहम है क्योंकि उन्होंने पढ़ाई की जगह खेल को प्राथमिकता दी पर उनका यह कदम सफल रहा। इससे पहले आईपीएल में वह राजस्थान रॉयल्स के नेट गेंदबाज चुने गए थे और उसी समय उनकी 12वीं की परीक्षा चल रही थी। यह स्पिनर और उनके पिता चाहते थे कि वह परीक्षा दें पर अपने कोच से बात करने के बाद उन्होंने खेल को वरीयता दी।

यह मामला साल 2018 में विश्नोई को 12वीं की परीक्षा देनी थी। वहीं इसी बीच आईपीएल सत्र शुरु हो गया था रवि को राजस्थान रॉयल्स की ओर से नेट गेंदबाजी करने का मौका मिला था। वहीं उनकी पिता ने कहा कि वह रॉयल्स का कैंप छोड़ अपनी परीक्षाओं पर ध्यान दें। रवि भी अपने पिता की बात को मानने शिविर छोड़ने जा रहे थे पर रवि ने अपने दो कोचों से जब इस बारे में बात की तो उन्होंने कहा कि विश्व स्तर के बल्लेबाजों के सामने नेट में गेंदबाजी करना कोई छोटी बात नहीं है। यहां बेहतर प्रदर्शन से उनके क्रिकेटर बनने का रास्ता खुलेगा। इसी के बाद बिश्नोई ने परीक्षा छोड़कर खेल को वरीयता देना तय किया। इसी का फल उन्हें मिला और उन्हें भारत की ओर से अंडर 19 वर्ल्ड कप-2019-20 खेलने का मौका मिल गया। इस टूर्नामेंट में रवि ने कुल 17 विकेट लिए। उनकी गुगली ने सभी को हैरान कर दिया। इसके बाद से ही वह आगे बढ़ते गये।

युवा खिलाड़ियों को अधिक अवसर दिये जाएंगे : श्रीजेश

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व कप्तान और अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा है कि अभी भारतीय टीम का मुख्य लक्ष्य एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतना है जिससे पेरिस ओलंपिक के लिए प्रवेश मिले सके। इसके साथ ही युवा खिलाड़ियों को भी हम अधिक अवसर देंगे। टीम को इस साल राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों जैसे प्रमुख टूर्नामेंट में भाग लेना है। भारतीय टीम अगले महीने एफआईएच हॉकी प्रो लीग से इस सत्र की शुरुआत करेगी। श्रीजेश ने कहा, '' हर ओलंपिक के बाद हम अगले चार साल की योजना बनाते हैं। इसलिए टोक्यो खेलों के बाद से ही हमने पेरिस ओलंपिक के लिए भी योजना बनानी शुरू कर दी थी।'' उन्होंने कहा, '' पेरिस के लिए टीम में बहुत सारे बदलाव होंगे, कोर समूह में बहुत से नये लोग शामिल होने जा रहे हैं।''पेरिस ओलंपिक के शुरू होने में अब दो साल कुछ अधिक समय ही बचा है और ऐसे में टीम में युवाओं को अवसर दिये जाएंगे। उन्होंने कहा, ''हम बहुत सारे युवाओं को सीधे टीम में शामिल नहीं करेंगे पर कोर समूह में उन्हें शामिल होने के अधिक मौके मिलेंगे। हम इस साल की शुरुआत एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों से पहले प्रो लीग से कर रहे हैं।''उन्होंने कहा, '' हमें इस दौरान लगभग 16 मैच खेलने को मिलेंगे और इसमें एशियाई कप भी होगा और इसमें हम युवाओं को अवसर दे सकते हैं। आपको किसी समय उन्हें मौका देना ही होगा। मेरा मानना है कि इस मामले में यह साल अच्छा रहेगा क्योंकि वे अनुभवी खिलाड़ियों से काफी कुछ सीख सकते है।'' इससे पेरिस ओलंपिक के लिए बेहतर टीम तैयार हो सकेगी।

ऑस्ट्रेलिया ने रखी शर्त, तीनों टेस्ट एक ही स्थल पर रखे जायें, ऑस्ट्रेलिया के पाक दौरे पर संशय

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पाकिस्तान दौरे पर संकट छा गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम को 24 साल के बाद मार्च-अप्रैल में होने वाले इस पाक में 3 टेस्ट, 3 वनडे और एक टी20 मैच खेलने है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 1998 के बाद पहली बार पाक दौरे पर जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने शर्त रखी है कि सीरीज के तीनों टेस्ट एक ही स्थल पर रखे जायें पर पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इससे सहमत नहीं है। पीसीबी का कहना है कि यह मांग मानना संभव नहीं हैं। ऐसे में दौरे को आशंकाएं तेज हो गयी हैं। इसमें टेस्ट के मुकाबले 3 से 25 मार्च के बीच कराची, रावलपिंडी और लाहौर में होने हैं जबकि सीमित ओवरों के मैच 29 मार्च से 5 अप्रैल तक लाहौर में खेले जाएंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट सीए चाहता है कि टेस्ट सीरीज के सभी मैच एक ही जगह आयोजित किए जाएं। उसका कहना है कि सुरक्षा और स्वास्थ्य कारणों से यह जरुरी है। वहीं पिछले साल इंग्लैंड और न्यूजीलैंड दोनों ने सुरक्षा कारणों से पाक के दौरे को रद्द कर दिया था। कोरोना संक्रमण को देखते हुए सीरीज के सभी मुकाबले बायो बबल में खेले जाने हैं। पीसीबी ने तीनों टेस्ट एक ही स्थल पर कराने को लेकर किसी तरह की बात से इंकार कर दिया है। एक अधिकारी ने कहा कि इस तरह की कोई बातचीत सीए से नहीं चल रही है। एक ही स्थल पर अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए 19 दिन तक व्यवस्था नहीं की जा सकती। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और सुरक्षा की पुख्ता तैयारी तीनों स्थलों पर की गई हैं। इसलिए सीए को इसमें किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिये। साथ ही कहा कि पिछले साल दिसंबर में सीए के सीईओ निक हॉकले ने कहा था कि द्विपक्षीय सीरीज के मुकाबले कोविड-19 के बाद भी कार्यक्रम के अनुसार होंगे। गौरतलब है कि साल 2009 में श्रीलंकाई टीम पर हुए हमले के बाद से ही टीमें पाक दौर से बचती रही हैं। पीसीबी इस कारण से कठिन हालातों का सामना करता आया है। इस बार उसने किसी प्रकार ऑस्ट्रेलिया को दौरे के लिए तैयार किया था पर अब यह स्थल का मामला उठ गया।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

विप्रो के दक्षिण पूर्व एशिया के प्रबंध निदेशक बने श्रीनिवासन

नई दिल्ली । सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी विप्रो ने बद्रीनाथ श्रीनिवासन को दक्षिणपूर्व एशिया के लिए प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की गुरुवार को घोषणा की। कंपनी की ओर से कहा गया कि श्रीनिवासन कारोबार वृद्धि, राजस्व विस्तार, ग्राहकों से संबंध, कौशल विकास और ब्रांड निर्माण के विप्रो के दृष्टिकोण पर ध्यान देंगे। वह दक्षिणपूर्व एशिया के अहम बाजारों को भी मजबूत करेंगे और बड़े सौदों और रणनीतिक परिवर्तन समझौतों पर काम करेंगे। इससे पहले श्रीनिवासन इंफोसिस में वित्तीय सेवाएं एवं बीमा क्षेत्र के लिए एशिया लीडर की भूमिका में थे। विप्रो के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (एपीएमईए) एनएस बाला ने कहा कि दक्षिणपूर्व एशिया पर बीते कई वर्षों से विप्रो का रणनीतिक रूप से ध्यान रहा है और व्यापक डिजिटल परिवर्तन, विशेषीकृत प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं तथा नवोन्मेष की क्षेत्र में बढ़ती मांग को देखते हुए इस पर और अधिक ध्यान दिया जा रहा है।

बोइंग को चौथी तिमाही में 4.16 अरब डॉलर का घाटा

शिकागो । विमान बनाने वाली कंपनी बोईंग को चौथी तिमाही में 4.16 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। कंपनी के सबसे अधिक बिकने वाले विमानों में से एक के उत्पादन की खामियों से उसकी वित्तीय स्थिति खराब हुई है। विमान विनिर्माता कंपनी ने अपने 787 जेटलाइनर की आपूर्ति में देरी और विमानन कंपनियों को मुआवजे देने के लिए 3.5 अरब डॉलर की भरपाई की जिम्मेदारी ली है। कई विमानन कंपनियां अभी भी विमानों की आपूर्ति का इंतजार कर रही है। कंपनी ने कहा कि 787 विमान के साथ समस्याओं से उत्पादन लागत में 2 अरब डॉलर का इजाफा होगा, जो पहले के अनुमान से दोगुना है।

एस्सार समूह की ब्रिटेन में हाइड्रोजन केंद्र खोलने नए संयुक्त उद्यम की घोषणा

नई दिल्ली । एस्सार समूह ने एक अरब पौंड के निवेश के साथ स्टैनलो विनिर्माण परिसर में ब्रिटेन का सबसे बड़ा हाइड्रोजन केंद्र स्थापित करने के लिए प्रोग्रेसिव एनर्जी के साथ एक नए संयुक्त उद्यम की घोषणा की है। एस्सार समूह ने कहा कि कंपनी ने बहुसंख्यक शेयरधारक के रूप में वर्टेक्स हाइड्रोजन का गठन उत्तर पश्चिम इंग्लैंड और उत्तरी वेल्स में हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था के विकास में मदद के लिए किया है एस्सार ऑयल यूके की वर्टेक्स हाइड्रोजन में 90 फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि प्रोग्रेसिव एनर्जी लिमिटेड की शेष 10 फीसदी हिस्सेदारी है। वर्टेक्स देश की हाइड्रोजन उत्पादन अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने के लिए ब्रिटेन का पहला सबसे कम कार्बन उत्सर्जन वाला हाइड्रोजन उत्पादन संयंत्र प्रदान करेगा।

टाटा का 69 साल का इंतजार समाप्त नहीं होने वाला, टल सकती है एयर इंडिया की घर वापसी!

- अब शुक्रवार को टाटा को सौंपी जा सकती है एयर इंडिया की कमान

नई दिल्ली । पिछले साल नीलामी के बाद टाटा को एयर इंडिया सौंपने की प्रक्रिया जारी है। लेकिन कुछ दिक्कतों की वजह से अभी तक नहीं हो पाई है। टाटा को गुरुवार को एयर इंडिया सौंपे जाने के कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन आखिरी समय पर यह जानकारी मिल रही है कि टाटा का 69 साल का इंतजार अभी खत्म नहीं होने वाला है। जानकारी के मुताबिक अब टाटा को एयर इंडिया शुक्रवार को सौंपी जा सकती है। पिछले साल एय इंडिया की हुई नीलामी में टाटा समूह और स्पाइसजेट के चेयरमैन अजय सिंह ने बोलियां पेश की थीं। नीलामी में टाटा समूह की 18 हजार करोड़ रुपए की बोली को बेहतर पाया गया। इसके बाद सरकार ने 8 अक्टूबर को ऐलान कर दिया कि टाटा की बोली नीलामी में सफल चुनी गई है।सरकार ने इस डील के शेयर पर्चेज एग्रीमेंट पर 25 अक्टूबर को हस्ताक्षर कर दिए थे। अधिकारियों ने बताया था कि जरूरी सभी औपचारिकताएं भी हो चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि सरकार टाटा को गुरुवार को एयर इंडिया सौंपी सकती है।

टाटा समूह के पास पहले से ही दो एयरलाइन कंपनी विस्तार और एयर एशिया है। अब एयर इंडिया भी आ गई है। इसे टाटा समूह की सब्सिडियरी टेलेश प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा जाएगा1 इस डील में टाटा को ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी एआईएसएटीएस का 50 फीसदी शेयर भी मिला है। अपने जमाने के दिग्गज उद्योगपति जेआरडी टाटा को एअरलाइन सेक्टर में काफी रूचि थी। उन्होंने 1932 में भारत की पहली एयरलाइन कंपनी शुरू की, जिसे टाटा एअरलाइंस मिला। तब दो लाख रुपए से शुरू यह कंपनी एयर पार्सल ढोती थी। इसकी पहली उड़ान कराची से चेन्नई तक की थी और उसे खुद जेआरडी उड़ा रहे थे। टाटा एअरलाइंस को 1946 में एयर इंडिया नया नाम मिला। आजादी के कुछ साल बाद 1953 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की सरकार ने एयर इंडिया का राष्ट्रीयकरण कर दिया। तब से एयर इंडिया का कंट्रोल सरकार के हाथों में ही रहा। हालांकि जेआरडी टाटा 1977 तक एयर इंडिया के चेयरमैन बने रहे। तत्कालीन प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के साथ हुए विवाद के बाद जेआरडी टाटा एयर इंडिया से अलग हो गए। टाटा का साथ छूटते ही सरकारी रवैये से इसे चलाना सरकार को भारी पड़ने लगा। 2000 आते-आते इसमे भ्रष्टाचार की खबरें बाहर आने लगीं1 सरकार के लिए एअर इंडिया चलाना सफेद हाथी पालने जैसा मुश्किल साबित हो रहा था1 उसके बाद विभिन्न सरकारों ने एयर इंडिया को संभालने के कई उपाय किए, लेकिन कुछ काम नहीं आया। आखिरकार 28 जून 2017 को एयर इंडिया बेच जाने का ऐलान हो गया।

अडाणी विल्मर का आईपीओ खुला

नई दिल्ली । अडाणी विल्मर का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए गुरुवार को सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया। इस आईपीओ में निवेशक 31 जनवरी तक इसमें निवेश कर सकेंगे। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 3600 करोड़ रुपए जुटाएगी। कंपनी ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 218-230 रुपए तय किया है। गौरतलब है कि यह साल का तीसरा आईपीओ होगा। गौरतलब है कि अडाणी विल्मर का आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश इक्विटी शेयर्स पर आधारित है और दूसरी तरह की कोई ऑफरिंग नहीं की जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक संभावना है कि आगामी 8 फरवरी को कंपनी के शेयर एनएसई और बीएसई पर लिस्ट होंगे।

फ्यूचर समूह सामान्य बीमा उपक्रम में जेनेराली को बेचेगा 25 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली । कर्ज में डूबे फ्यूचर समूह ने घोषणा की है कि वह फ्यूचर जेनेराली इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एफजीआईआईसीएल) में अपनी 25 प्रतिशत इक्विटी अपने इस संयुक्त उपक्रम के साझेदार जेनेराली को 1,252.96 करोड़ रुपए में बेचेगा। समूह ने कहा कि यह कदम कर्ज चुकाने के लिए उसकी संपत्ति मौद्रीकरण योजनाओं का हिस्सा है। फ्यूचर समूह ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा कि जेनेराली ने एफजीआईआईसीएल में फ्यूचर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एफईएल) के बचे ब्याज को भी अपनाने का विकल्प लिया है।

डॉजक्वाइन की कीमत में गिरावट

नई दिल्ली । बिटक्वाइन समेत दुनिया भर की क्रिप्टोकरेंसी में नए साल के शुरु होने के बाद से गिरावट देखी जा रही है। ज्यादातर के दाम घट चुके हैं। इस बीच डॉजक्वाइन में भी गिरावट देखने को मिल रही है। गुरुवार को इसकी कीमत में 3.21 फीसदी की कमी आई और इसकी कीमत घटकर 11.51 रुपए पर पहुंच गई। इस कीमत पर डॉजक्वाइन क्रिप्टोकरेंसी का मार्केट कैप 1.5 खरब रुपए पर आ गया है। दुनिया की शीर्ष 10 क्रिप्टोकरेंसी में शामिल डॉजक्वाइन के साल 2021 के आखिरी तक एक डॉलर को पार करने का अनुमान लगाया जा रहा था। लेकिन अब जबकि साल खत्म हो चुका है और 2022 चालू हो चुका है तो क्रिप्टो विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस नए साल में इसकी कीमत में तेज वृद्धि देखने को मिलेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि साल 2025 तक इसकी कीमत 1.21 डॉलर यानी 90.75 रुपए पर पहुंच सकती है। वहीं साल 2030 तक यह 3.60 डॉलर यानी 270 रुपए का स्तर छू सकती है। इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर कई ट्वीट पोस्ट किए कि डॉजक्वाइन उनका पसंदीदा सिक्का है। इससे यह डिजिटल मुद्रा तेजी से लोकप्रिय होती गई। कई नामी हस्तियों ने इसमें पैसा लगा रखा है, इसलिए इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। नौ फरवरी 2021 के दिन ही डॉजक्वाइन का मूल्य एकाएक 31 फीसदी बढ़ गया था। तब एलन मस्क और मशहूर रैपर स्नूप डॉग ने इसको लेकर ट्वीट किया था। फरवरी की शुरुआत में क्लबहाउस में उन्होंने यह भी कहा था की डॉजकॉइन भविष्य की करेंसी है।

5जी स्मार्टफोन को लेटेस्ट मेमफूजन फीचर के साथ होगा उपलब्ध

इनफिनिक्स की जीरो सीरीज तहलका मचा देगी

नई दिल्ली। जानीमानी कंपनी इनफिनिक्स लोकप्रिय 5जी स्मार्टफोन को लेटेस्ट मेमफूजन फीचर के साथ उपलब्ध कराने जा रही है। यह फीचर यूजर्स को अपने स्मार्टफोन की रैम को स्टोरेज के जरिए बढ़ाने की अनुमति देगा। इस रैम को स्टोरेज के कुछ हिस्से का इस्तेमाल करके बढ़ाया जा सकता है। किसी भी स्मार्टफोन के लिए रैम बहुत जरूरी होती है। इसे रैंडम एक्सेस मेमोरी कहा जाता है। यह रोजमर्रा के फोन कार्यों के लिए काफी मदद करता है। कई बार स्मार्टफोन यूजर्स को इस तरह के सीनेरियो का सामना करना पड़ता है जिसमें जब आप गेम खेल रहे होते हैं तो आपको दूसरी ऐप्स का इस्तेमाल करना पड़ जाता है। ऐसे में जब आप गेम ऐप पर वापस जाते हैं तो उन्हे दोबारा लोड करना पड़ता है। यह अपर्याप्त मेमोरी के कारण होता है। ज्यादा मेमोरी के साथ यूजर्स फोन में ज्यादा ऐप्स चला सकते हैं और वो भी बिना अंतराल के। इसमें ऐप्स के बीच तेजी से स्विच किया जा सकता है। यह उन यूजर्स के लिए बेहद जरूरी है जो ज्यादा गेमिंग करते हैं। इन यूजर्स के लिए रैम भी उतनी ही जरूरी होती है। हालांकि, ज्यादा रैम फोन की कीमत में वृद्धि होने का मुख्य कारण होती है। इससे ग्राहकों के लिए कंफ्यूजन हो जाती है कि क्या वो यह फोन खरीदना चाहते हैं या नहीं, क्योंकि उनका बजट उन्हें इजाजत नहीं देता है। अपकमिंग जीरो सीरीज के डिवाइस ÷मेमफूजन ÷ फीचर से लैस होंगे। इसे इस्तेमाल करने के लिए यूजर्स को सेटिंग पर जाना होगा और फिर स्पेशल फंक्शन पर जाना होगा। फिर मेमफूजन द्वारा पर जाना होगा। फिर आप इसे एक्सेस कर पाएंगे। यह फीचर यूजर्स को रैम में बदलने के लिए स्टोरेज स्पेस को रोम से बाहर सेट करने में इनेबल करेगी। यूजर्स इन विकल्पों में से किसी को भी चुन सकते हैं जिसमें 2जीबी/3जीबी/5जीबी रैम शामिल होगी। एक बार रैम साइज चुनने के बाद डिवाइस दोबारा स्टार्ट होगी और चुनी गई वर्चुअल रैम को दिखाएगी।

नए नाम 'महिंद्रा स्कॉर्पियो स्टींग' या 'स्कॉर्पियो से होगी लांच

-खरीदारों को है लंबे समय से इसका इंतजार

नई दिल्ली । स्वदेशी कंपनी महिंद्रा की स्कॉर्पियो कार भारत की सबसे पॉप्युलर एसयूवी कारों में शामिल है महिंद्रा की इस बेहद लोकप्रिय कार में पहले से ज्यादा दमदार डिजाइन ,मॉर्डन इंटीरियर और पावरफुल पेट्रोल और डीजल इंजन के विकल्प मिलने वाले हैं। नई 2022 महिंद्रा स्कॉर्पियो 2 2.0 लीटर टर्बो पेट्रोल और 2.2 लीटर डीजल इंजन की चॉइस दी जा सकती है।

कंपनी इस कार के नए मॉडल को नए नाम से बाजार में उतार सकती है। एक रिपोर्ट की मानें तो नई स्कॉर्पियो का मॉडल लाइनअप एक नए नाम 'महिंद्रा स्कॉर्पियो स्टींग' या 'महिंद्रा स्कॉर्पियो के साथ मार्केट में एंट्री कर सकता है जहां 'महिंद्रा स्कॉर्पियो नाम इसके पावरफुल वेरिएंट्स को दिया जा सकता है और आपको बता दें कि इस बारे में ऑफिशियल घोषणा अभी तक नहीं हुई है। अपकमिंग स्कॉर्पियो में 2.0 लीटर का 4 सिलिंडर एमहॉक डीजल इंजन देखने को मिलेगा, जो 155बीएचपी की पावर और 360एनएम टॉर्क जेनरेट कर सकेगा। वहीं इसमें 2.0 लीटर 4 सिलिंडर पेट्रोल इंजन भी दिखेगा, जो कि 150बीएचपी की पावर और 300 एनएम टॉर्क जेनरेट कर सकेगा। अपकमिंग 2022 महिंद्रा स्कॉर्पियो को 6 स्पीड मैनुअल और 6 स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ पेश किया जाएगा।

खबर तो ये भी है कि नई महिंद्रा स्कॉर्पियो को रियर व्हील ड्राइव के साथ ही ऑल व्हील ड्राइव ऑप्शन में पेश किया जा सकता है। बता दें किमहिंद्रा स्कॉर्पियो और इसके न्यू जेनेरेशन मॉडल का लंबे समय से बायर्स को बेसब्री से इंतजार है। कंपनी काफी समय से इसकी टेस्टिंग कर रही है और इस बीच इसे कई बार स्पॉट किया जा चुका है।

शाओमी 12 सीरीज को किया चीन में लॉन्च

-इस सीरीज के तहत दो स्मार्टफोन्स को लॉन्च

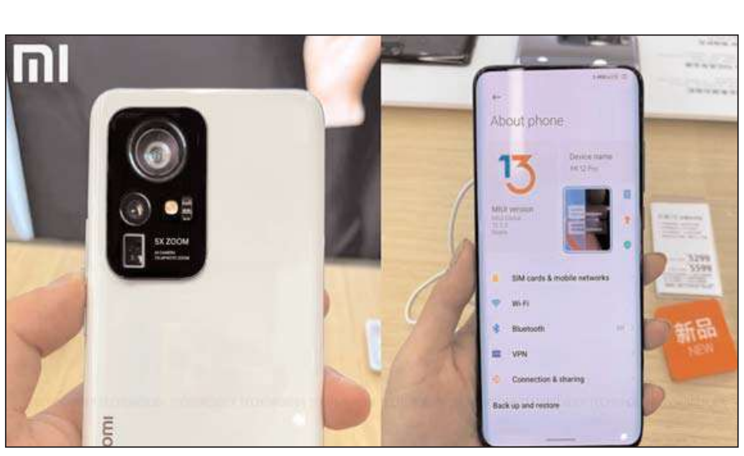

नई दिल्ली । शाओमी कंपनी ने पिछले महीने शाओमी 12 सीरीज को चीन में लॉन्च किया था। इस सीरीज के तहत दो स्मार्टफोन्स शाओमी 12 और शाओमी 12 प्रो भी लांच किए गए हैं। ये वो शाओमी डिवाइस हैं जो नए लॉन्च किए गए फ्लैगशिप क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8 जेन 1 चिपसेट के साथ आता है। बता दें कि लॉन्च के समय, कंपनी ने स्मार्टफोन की वैश्विक उपलब्धता के बारे में किसी भी तरह की आधिकारिक जानकारी नहीं दी थी। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि इन डिवाइसेज को जल्द ही इंटरनेशनल मार्केट में उपलब्ध कराया जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, शाओमी 12 का ग्लोबल वर्जन गीकबेंच पर शाओमी 2201123जी के तौर पर लिस्ट किया गया है। बेंचमार्किंग प्लेटफॉर्म पर जो मॉडल देखा गया है वो स्नैपड्रैगन 8 जेन 1 एसओसी पर काम करता है। इसमें 8जीबी रैम दी जाएगी। साथ ही यह एंड्राएड 12 पर काम करता है। रिपोर्ट के मुताबिक, शाओमी12 ने सिंगल-कोर टेस्ट में 711 और मल्टी-कोर टेस्ट में 2834 स्कोर किया। लिस्टिंग से संकेत मिला है कि स्मार्टफोन के वैश्विक लॉन्च कब तक होगी यह तो नहीं पता है लेकिन यह जरूर अफवाह आ रही है कि यह डिवाइस रेडमी नोट 11 सीरीज के बाद लॉन्च की जाएगी। शाओमी 12 स्मार्टफोन में 6.28 इंच का ओलेड डिस्प्ले दिया गया होगा जो 2400गुना1080 रिज़ॉल्यूशन के साथ आएगा। साथ ही इसमें 120 एचझेड रिफ्रेश रेट दिया जा सकता है। इसका डिस्प्ले 1100 निट्स की पीक ब्राइटनेस के साथ आता है। इसमें प्रोटेक्शन के लिए गोरिल्ला ग्लास विक्टस दिया गया है। यह डिवाइस क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8 जेन 1 प्रोसेसर पर काम करेगा। यह एलपीडीडीआर 5 रैम दी गई होगी। साथ ही यूएफएस 3.1 इंटरनल स्टोरेज भी दी गई होगी। साथ ही दूसरा 13 एमपी का अल्ट्रा-वाइड लेंस और तीसरा 5एमपी का मैक्रो लेंस होगा।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।